राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण गुरुवार,24जून-2021 वर्ष-4, अंक -151पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जेल से बाहर आएंगे हरियाणा के पूर्व सीएम ओमप्रकाश चौटाला, जेबीटी घोटाले में हुई थी जेल

नई दिल्ली। हरियाणा के पूर्व सीएम ओमप्रकाश चौटाला जल्दी ही जेल से बाहर आ सकते हैं। चौटाला को जेबीटी भर्ती घोटाले में जेल हुई थी। तिहाड़ जेल प्रशासन ने उनके वकील अमित साहनी को बताया कि चौटाला की सजा पूरी हो चुकी है और वह स्पेशल परमिशन के हकदार हैं। फिलहाल कोरोना संकट के चलते ओमप्रकाश चौटाला पेरोल पर जेल से बाहर हैं। ऐसे में एक बार उन्हें जेल प्रशासन के समक्ष सरेंडर करना होगा और उसके बाद रिहाई के लिए आवेदन करना होगा। तिहाड़ जेल प्रशासन से मिली जानकारी के बाद पूर्व मुख्यमंत्री के वकील कागजी कार्रवाई में जुटे हुए हैं और जल्दी ही उन्हें जेल से रिहाई मिल सकती है। गौरतलब है कि फरवरी, 2013 में हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला और उनके विधायक बेटे अजय चौटाला को तीन अन्य सरकारी अधिकारियों के साथ जाली दस्तावेजों का का उपयोग करके राज्य में तीन हजार से अधिक शिक्षकों की अवैध रूप से भर्ती करने के आरोप में सीबीआई की विशेष अदालत ने 10 साल की सजा सुनाई थी। इसी मामले में अजय चौटाला भी सजा काट रहे हैं। ओमप्रकाश चौटाला के जेल से बाहर आते ही प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर से सरगर्मी तेज हो सकती है। चौटाला के जेल में रहने को दौरान ही उनके परिवार में कलह हो गई थी और इसके चलते इनेलो से अलग होकर उनका पोते दुष्यंत चौटाला ने जननायक जनता पार्टी का गठन किया था। बीते विधानसभा चुनावों में इस पार्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 11 सीटें हासिल की थी और अब दुष्यंत चौटाला बीजेपी के साथ गठबंधन सरकार का हिस्सा हैं। यही नहीं उन्हें राज्य सरकार में डिप्टी सीएम की जिम्मेदारी भी मिली है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि, कई मंत्रियों ने किया पौधारोपण

जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर प्रधानमंत्री मोदी ने उनको श्रद्धांजलि दी। पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी के प्रयासों को भूलाया नहीं जा सकता।

नई दिल्ली। जनसंघ के संस्थापक डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की आज पुण्यतिथि है और इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई मंत्रियों और भारतीय जनता पार्टी के कई नेताओं ने उन्हें नमन किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके प्रयासों को कभी भूलाया नहीं जा सकता।

पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहा, ''श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर उन्हें याद कर रहा हूं। उनके महान आदर्श, समृद्ध विचार और लोगों की सेवा करने की प्रतिबद्धता हमें प्रेरित करती रहेगी। राष्ट्रीय एकता के उनके प्रयासों को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा।''

पीएम मोदी के अलावा भाजपा की ओर से भी श्यामा प्रसाद मुखर्जी को नमन किया गया है। भाजपा ने अपने ट्विटर हैंडल से ट्वीट कर लिखा कि राष्ट्रीय एकता और अखंडता के पर्याय, महान शिक्षाविद, प्रखर राष्ट्रवादी

विचारक और भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर भावभीनी श्रद्धांजलि।

वहीं केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर हौज खास में वृक्षारोपण किया। इसके अलावा मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर भोपाल में पौधारोपण किया।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी का परिचय

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य थे, जनसंघ के बाद से ही बाद में भारतीय जनता पार्टी का उदय हुआ था। श्यामा प्रसाद मुखर्जी की अगुवाई में जनसंघ ने देश के बंटवारे का विरोध किया था। देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने मुखर्जी को अंतरिम सरकार में उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में शामिल किया था लेकिन नेहरू और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री लियाकत अली के बीच हुए समझौते के पश्चात उन्होंने मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दे दिया था। वर्ष 1953 में 23 जून को जेल में रहस्यमयी परिस्थितियों में उनकी मृत्यु हो गई थी।

राजीव गांधी हत्याकांड के दोषी की याचिका पर सुनवाई तीन सप्ताह बाद

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह राजीव गांधी हत्याकांड में उम्रकैद की सजा काट रहे एजी पेरारीवलन की पैरोल की मांग करने वाली याचिका पर तीन सप्ताह बाद सुनवाई करेगा। जस्टिस विनीत सरण और जस्टिस दिनेश माहेश्वरी की अवकाश कालीन पीठ ने इस तथ्य पर संज्ञान लिया कि पेरारीवलन के वकील ने मामले की सुनवाई स्थगित करने का अनुरोध करने वाला पत्र बांटा है। पीठ ने अपने आदेश में कहा, 'एक पत्र (सुनवाई स्थगित करने के लिए) है। इस मामले को तीन सप्ताह बाद एक उपयुक्त पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया जाए।' न्यायालय ने पिछले साल 23 नवंबर को मेडिकल जांच के लिए पेरारीवलन की पैरोल अवधि एक सप्ताह बढ़ाते हुए तमिलनाडु सरकार को आदेश दिया था कि जब वह डाक्टर के पास जांच के लिए अस्पताल जाए तो पुलिस उसके साथ रहे। इससे पहले, 20

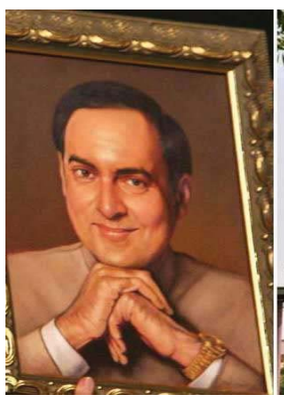

नवंबर, 2020 को न्यायालय में दाखिल हलफनामे में सीबीआइ ने कहा था कि पेरारीवलन को माफी देने के मुद्दे पर तमिलनाडु के राज्यपाल को फैसला करना है। सीबीआइ ने कहा था कि पेरारीवलन सीबीआइ के नेतृत्व वाली 'मल्टी डिसिप्लिनरी मानिटरिंग एजेंसी' (एमडीएमए) द्वारा की जा रही और जांच का विषय नहीं है। एमडीएमए जैन आयोग की रिपोर्ट के आधार पर 'बड़ी साजिश' के पहलू की जांच कर रहा है।

दिल्ली समेत पड़ोसी राज्यों में मानसून कराएगा एक सप्ताह और इंतजार

आईएमडी ने बताया, दक्षिण पश्चिम मानसून अब तक राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब के कुछ हिस्सों को छोड़कर देश के अधिकांश हिस्सों में दस्तक दे चुका है। लेकिन अगले सात दिनों में देश के बाकी बचे हुए हिस्सों में मानसून की प्रगति की संभावना नहीं दिख रही हैं।

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के पूर्वानुमान में अगले सात दिनों के दौरान दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा और पंजाब के कुछ हिस्सों में मानसून के आगे बढ़ने की संभावना जताई गई है। आईएमडी ने मंगलवार को बयान जारी कर बताया, दक्षिण पश्चिम मानसून अब तक राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब के कुछ हिस्सों को छोड़कर देश के अधिकांश हिस्सों में दस्तक दे चुका है। इस साल मानसून की मुख्य विशेषता पूर्वी, मध्य और आसपास के

उत्तर-पश्चिम भारत में सामान्य से पहले (7-10 दिनों तक) इसकी प्रगति है। हालांकि, अगले सात दिनों के दौरान देश के बाकी बचे हुए हिस्सों में मानसून की प्रगति की संभावना नहीं दिख रही हैं।

आईएमडी के क्षेत्रीय पूर्वानुमान केंद्र के प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव ने बताया, दिल्ली-एनसीआर में 26 जून के आसपास हल्की बारिश की संभावना है, लेकिन इस क्षेत्र में मानसून की बारिश का इंतजार अभी और करना होगा।

583 करोड़ रुपये में दो प्रदूषण नियंत्रक जहाज के निर्माण का खरीद सौदा किया

नई दिल्ली। केंद्रीय रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को गोवा शिपयार्ड लिमिटेड के साथ दो प्रदूषण नियंत्रक जहाजों के निर्माण का समझौता किया। भारतीय तटरक्षक बल के लिए खरीदे जाने वाले ये दोनों जहाज 583 करोड़ रुपये की लागत से बनाए जाएंगे। अधिकरियों ने बताया कि इन दोनों जहाजों के मिलने पर तटरक्षक बल की समुद्र में तेल लीक होने जैसी घटनाओं से निपटने की क्षमता में अहम बढ़ोतरी हो जाएगी। साथ ही सुरक्षा बल का प्रदूषण प्रतिक्रिया तंत्र भी मजबूत होगा। गोवा शिपयार्ड पहले जहाज की डिलीवरी नवंबर, 2024 में देगा, जबकि दूसरा जहाज मई, 2025 में तटरक्षक बल को मिलेगा। रक्षा मंत्रालय का दावा है कि ये दोनों जहाज पूरी तरह स्वदेशी डिजाइन और तकनीक से तैयार किए जाएंगे, जिससे करीब 200 एमएसएमई वेंडरों को काम मिलेगा और नए रोजगार भी सृजित होंगे। फिलहाल तटरक्षक बल के पास तीन प्रदूषण नियंत्रक जहाज हैं, जो मुंबई, विशाखापत्तनम और पोरबंदर में तैनात हैं।

अधिकरियों ने बताया कि इन दोनों जहाजों के मिलने पर तटरक्षक बल की समुद्र में तेल लीक होने जैसी घटनाओं से निपटने की क्षमता में अहम बढ़ोतरी हो जाएगी।

अमेरिका के बाद अब भारत में मिले एवाई.2 संक्रमित मरीज

नई दिल्ली। देश में डेल्टा वैरिएंट के काफी मामले सामने आ रहे हैं लेकिन अब डेल्टा प्लस वैरिएंट भी सामने आने लगा है। अब तक देश में इससे संक्रमित 22 मरीज मिल चुके हैं जिनमें से अकेले दो जिले में ही 16 मामले हैं। मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने बताया कि डेल्टा प्लस अब तक दुनिया के 10 देशों में मिल चुका है। भारत में रत्नागिरी और जलगांव में 16 मामले मिले हैं। जबकि अन्य मामले केरल, मध्यप्रदेश, तमिलनाडु में हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने इन राज्यों को एडवाइजरी जारी करते हुए कहा है कि डेल्टा प्लस वैरिएंट को लेकर किस तरह के कार्य करने हैं। जमीनी स्तर पर जांच को बढ़ाने के साथ साथ राज्यों से निगरानी पर जोर देने के लिए कहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि सरकार इस वैरिएंट को बढ़ावा देना नहीं चाहती है। इसलिए राज्यों से इस पर गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए थे। अब तक देश में 45 हजार सैंपल की सीक्वेंसिंग हो चुकी है। देश की 28 लैब में यह सीक्वेंसिंग हो रही है। उन्होंने बताया कि डेल्टा वैरिएंट से ही डेल्टा प्लस निकला है। सचिव ने कहा कि कोरोना वायरस में म्यूटेशन देखने को मिल रहे हैं लेकिन इनसे बचने के लिए तरीके एक जैसे हैं। भीड़ से दूर रहना, मास्क और बार बार हाथ धोने के जरिए इनसे बचा जा सकता है। इसलिए लोगों के लिए अब बहुत जरूरी है कि कोविड सतर्कता नियमों का पालन किया जाए।

नेपाल में भी मिला कोरोना का डेल्टा प्लस वैरिएंट-भारत के साथ नेपाल में भी कोरोना वायरस का डेल्टा प्लस वैरिएंट मिल चुका है। काठमांडू से दिल्ली जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए आए 48 में से 9 सैंपल में इसकी पुष्टि हुई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए नेपाल से लगातार सैंपल दिल्ली भेजे जा रहे हैं। नई दिल्ली स्थित आईजीआईबी संस्थान के विशेषज्ञ इन सैंपल की जीनोम सीक्वेंसिंग कर रहे हैं।

काठमांडो से दिल्ली आए 48 में से 9 सैंपल में हुई पुष्टि-आईजीआईबी ने बताया कि नौ जून को 48 सैंपल सीक्वेंसिंग के लिए प्राप्त हुए थे। इस दौरान नौ सैंपल में डेल्टा प्लस वैरिएंट मिला है। जबकि 48 में से 47 सैंपल में डेल्टा वैरिएंट की पहचान हुई है। इसे लेकर नेपाल के स्वास्थ्य मंत्रालय ने अलर्ट भी जारी कर दिया है क्योंकि भारत में दूसरी लहर के हालात सभी की जानकारी में है। नेपाल, यूके, अमेरिका सहित दुनिया के सभी प्रभावित देश डेल्टा वैरिएंट की मौजूदगी से सतर्क हो चुके हैं।

कोरोना की तीसरी लहर का कारण बन सकता है डेल्टा वेरिएंट

नई दिल्ली। कोरोना महामारी की दूसरी लहर में कहर मचाने वाले डेल्टा वेरिएंट में भी अब बदलाव आ चुका है। इसे डेल्टा प्लस वेरिएंट बताया जा रहा है। देश के तीन राज्यों महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और केरल में डेल्टा प्लस ने पैर पसार दिए हैं। डेल्टा प्लस वेरिएंट के अब तक देश में कुल 22 मामले आए हैं। दिल्ली या उत्तर भारतीय इलाकों में अभी तक कोई संक्रमण दर्ज नहीं किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने मंगलवार को प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि जीनोम सिक्वेंसिंग के दौरान अब तक देश में 22 मामलों की पुष्टि हुई है। इनमें से 16 मामले महाराष्ट्र के रत्नागिरी एवं जलगांव जिलों में हैं। जबकि बाकी मामले केरल एवं मध्य प्रदेश में मिले हैं।

राज्यों को दिशा-निर्देश जारी किए गए-भूषण ने कहा कि इस बाबत राज्यों को दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। ताकि यह संक्रमण बड़ा रूप नहीं ले पाए। उन्होंने कहा कि देश में प्रयोगशालाओं के एक कंसोर्टियम के जरिए वायरस की जीनोम सिक्वेंसिंग की जा रही हैं। इसमें 28 प्रयोगशालाएं शामिल की गई हैं तथा नवंबर से अब 45 हजार जीनोम सिक्वेंसिंग की जा चुकी है।

स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि डेल्टा प्लस पर टीकों के असर को लेकर सरकार जल्द ही एक रिपोर्ट अगले कुछ दिनों में जारी करेगी। लेकिन मोटे तौर पर यह देखा गया है कि भारत में इस्तेमाल हो रहे दोनों टीके कोविशील्ड और कोवैक्सीन डेल्टा वेरिएंट पर कारगर हैं। लेकिन इनसे कितनी एंटीबॉडी पैदा हो रही है, इसे लेकर जल्द ही सूचना साझा की जाएगी।

भारत के अलावा आठ और देशों में मिला

डेल्टा प्लस का संक्रमण अब तक भारत के अलावा आठ देश में पाया गया है जिसमें अमेरिका, ब्रिटेन, स्विटजरलैंड, पुर्तगाल, जापान, नेपाल, चीन तथा रूस शामिल हैं। जबकि डेल्टा वेरिएंट का संक्रमण 80 से अधिक देशों में पाया गया है। डेल्टा वेरिएंट को डब्ल्यूएचओ ने वेरिएंट ऑफ कंसर्न घोषित किया है। लेकिन डेल्टा प्लस को फिलहाल कमतर श्रेणी के वेरिएंट ऑफ इंटरेस्ट में रखा गया है।

दावा- तीसरी लहर का कारण बन सकता है

महाराष्ट्र के स्वास्थ्य विभाग ने पिछले सप्ताह एक प्रेजेंटेशन दिया था जिसमें कहा था कि संक्रमण का नया स्वरूप डेल्टा प्लस राज्य में कोरोना की तीसरी लहर का कारण बन सकता है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे राज्य कोविड-19 कार्य बल के सदस्य और स्वास्थ्य विभाग के सदस्य भी इस बैठक में शामिल हुए थे।

यूरोप में सबसे पहले सामने आया

डेल्टा प्लस वेरिएंट सबसे पहले इस साल मार्च में यूरोप में सामने आया था। लेकिन 13 जून को ही पब्लिक डोमेन में लाया गया था। यह नया स्वरूप डेल्टा प्लस (एवाई.1) भारत में सबसे पहले सामने आए डेल्टा (बी.1.617.2) में उत्परिवर्तन से बना है।

वैक्सीन और इम्युनिटी दोनों को चकमा दे सकता है-विशेषज्ञ

भारत के शीर्ष विषाणु विज्ञानी और इंडियन सार्स-कोव-2 जीनोम सिक्वेंसिंग कंसोर्टियम के पूर्व सदस्य प्रोफेसर शाहिद जमील ने इसपर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि डेल्टा प्लस वेरिएंट वैक्सीन और इम्युनिटी दोनों को चकमा दे सकता है। प्रोफेसर जमील ने कहा कि ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि डेल्टा प्लस में वो सारे लक्षण हैं जो डेल्टा वेरिएंट में थे लेकिन इसके अलावा के41एन नाम का म्यूटेशन जो दक्षिण अफ्रीका में बीटा वेरिएंट में पाया गया था उससे भी इसके लक्षण मिलते हैं। उन्होंने कहा कि हमें यह अच्छे से पता है कि वैक्सीन का असर बीटा वेरिएंट पर कम है। बीटा वेरिएंट वैक्सीन को चकमा देने में अल्फा और डेल्टा वेरिएंट से भी ज्यादा तेज है। यह तथ्य भी है कि दक्षिण अफ्रीका की सरकार ने एस्ट्राजेनेका वैक्सीन की खेप वापस कर दी थी उनका कहना था कि यह वैक्सीन वहां वायरस के वेरिएंट के खिलाफ कारगर नहीं थी। हालांकि प्रोफेसर जमील ने कहा कि अभी इस बात के साक्ष्य नहीं मिले हैं कि डेल्टा प्लस और ज्यादा संक्रामक है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

श्वेत पत्र के जरिये संवाद

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कोविड-19 पर श्वेत पत्र जारी करते हुए कल जो बातें कहीं, उनके अपने राजनीतिक निहितार्थ हो सकते हैं, लेकिन कुछ बिंदुओं को महज राजनीति कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। यह एक कटु तथ्य है कि महामारी की पहली लहर में देश की अर्थव्यवस्था को काफी नुकसान उठाना पड़ा, और सरकार के तमाम इंतजामों के बावजूद गरीबों की जिंदगी मुश्किल हुई, इसलिए दूसरी लहर की आशंकाओं व चेतावनियों के प्रति जैसी संजीदगी की अपेक्षा केंद्र और राज्य सरकारों से की जा रही थी, उसे बरतने में उनसे चूक हुई, जबकि उनके सामने यूरोप के कई देशों के उदाहरण थे, जहां सर्दियों में ही दूसरी लहर आ गई थी। अपने पुराने त्रासद अनुभव से सबक लेते हुए उन्होंने दूसरी लहर में बेहतर प्रबंधन के जरिये नुकसान को काफी हद तक रोक लिया। इटली इसका बड़ा उदाहरण है। इसके विपरीत दूसरी लहर के दौरान भारत में एक वक्त हमने तंत्र को बिल्कुल असहाय पाया। निस्संदेह, भारत की विशाल आबादी बड़ी चुनौती थी, लेकिन यह आबादी न तो रातोंरात पैदा हुई थी और न ही सरकारें महामारी की भयावहता से अनभिज्ञ थीं। इस महामारी से संघर्ष में जो शुरुआती प्रशासनिक-नागरिक व संघीय अनुशासन दिखे थे, वे लॉकडाउन हटने के साथ टूटते चले गए। इस वजह से दूसरी लहर के क्षेत्रफल को तीव्र विस्तार मिला और महामारी बड़े पैमाने पर ग्रामीण इलाकों में पसरी। देश ने इसकी कितनी बड़ी कीमत चुकाई है, इसके सटीक आकलन में तो वर्षों लगेंगे। लेकिन अब जब दूसरी लहर उतार पर है, और दूसरे लॉकडाउन की पाबंदियां हटाई जा रही हैं, तब वही अंदेशे फिर मुंह बाए खड़े हैं। इसीलिए प्रधानमंत्री और दूसरे जिम्मेदार मंचों ने भी आगाह किया है कि महामारी अभी खत्म नहीं हुई है, और पिछली गलतियों को दोहराने से हर सूरत में बचा जाए। विशेषज्ञ तो शुरू से चेता रहे हैं कि वैक्सीन लेने के बाद भी अभी कोविड-प्रोटोकॉल का पालन अनिवार्यत- करना होगा। राहुल गांधी महामारी की शुरुआत से ही प्रेस कॉन्फ्रेंस और ट्वीट के जरिये इसके बारे में अपनी बात रखते रहे हैं। श्वेत पत्र को इसी कड़ी में देखा जाएगा। वैसे, प्रधानमंत्री द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठकों में अन्य विरोधी दलों की ओर से भी कई सुझाव आए, लेकिन दुर्योग से किसी सकारात्मक विपक्षी सुझाव और अच्छी सरकारी पहल से ज्यादा विवाद ही सुर्खियां बटोरते रहे। असल में, न सत्ता पक्ष में अब इतनी उदारता रही कि विपक्ष के साथ वह कोई श्रेय साझा करे और न विपक्ष में इतना धैर्य बचा है कि वह सत्ता की गरिमा का ख्याल रखे। बहरहाल, राहुल ने श्वेत पत्र में तीसरी लहर की आशंका के मद्देनजर मुकम्मल तैयारी का अहम मुद्दा उठाया है। तीसरी लहर की आशंका वरिष्ठ स्वास्थ्य विशेषज्ञ भी जता चुके हैं। इसी तरह, महामारी से सबसे ज्यादा बेहाल गरीबों व छोटे कारोबारियों की आर्थिक मदद की बात भी कई अर्थशास्त्री पहले से कह रहे हैं। जहां तक कोविड मुआवजा कोष बनाने का सुझाव है, तो आने वाले दिनों में केंद्र पर इसका दबाव बढ़ सकता है, क्योंकि कई राज्य सरकारें पहले ही मुआवजे घोषित कर चुकी हैं। जो भी हो, लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष की अपनी-अपनी भूमिका है। दोनों के रिश्ते आरोपों-प्रत्यारोपों में गर्क न हों, और उनमें रचनात्मक संवाद की भरपूर गुंजाइश रहे, तो इससे जनता का ही भला होता है।

'आज के ट्वीट

गिरफ़्तार

1000 से भी अधिक हिंदुओं को मुसलमान बनाने वाले मोहम्मद उमर और जहांगीर आलम को यूपी पुलिस ने दिल्ली के जामिया नगर से गिरफ़्तार किया है।

- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

कोरोना को कुर्सी तक पहुंचने का अवसर बनाना

प्रो. एस.के.सिंह

पिछले डेढ़ साल से न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया कोरोना महामारी से उत्पन्न कठिन परिस्थितियों का सामना कर रही है। पिछले साल 30 जनवरी को भारत में कोरोना का पहला मामला सामने आया था, उसके लगभग दो हफ्ते पहले ही 17 जनवरी को भारत सरकार ने पहली एडवाइजरी जारी कर दी थी। भारत दुनिया के उन पहले देशों में से है, जिसने कोरोना के देश में प्रवेश करने के पूर्व ही अपने एयरपोर्टस पर स्क्रीनिंग शुरू कर दी थी, तभी से सरकार लगातार न केवल कोरोना की रोकथाम से संबंधित दिशा-निर्देश जारी कर रही है, बल्कि सही तरीके से महामारी का सामना करने के लिए जनता को जागरूक करने की हरसंभव कोशिश भी कर रही है। वैसे तो पूरी दुनिया ही इस अभूतपूर्व आपदा से जूझ रही है, लेकिन भारत सरकार को दो मोर्चों पर संघर्ष करना पड़ रहा है, पहला कोरोना और दूसरा विपक्ष। कोरोना महामारी में विपक्ष की भूमिका ने बॉलीवुड की पुरानी फिल्मों की यादें ताजा कर दी हैं, जिनमें घायल नायक को खलनायक ठीक उसी जगह मारता था, जहां हीरो जख्मी होता है। भारत में जब-जब कोरोना महामारी का जिक्र होगा, तब-तब विपक्ष की गैर-जिम्मेदाराना एवं नकारात्मक भूमिका को भी याद किया जायेगा। वस्तुतः भारत के अलावा दुनिया में शायद ही कोई दूसरा उदाहरण मिलेगा, जहां इस महामारी के दौरान विपक्ष द्वारा वैक्सीनेशन के संबंध में अफवाहें फैलाकर जनता को भ्रमित कर उनकी जान से खेलने का कुत्सित प्रयास किया गया हो। विपक्ष को सरकार के साथ मिलकर कोरोना महामारी से लड़ना चाहिए था, लेकिन विपक्ष ने इस महामारी के दौरान सरकार को और अनकों बार अपने देश को भी इस बहाने नीचा दिखाने का प्रयास किया है । कहना होगा कि विपक्ष ने नकारात्मक आलोचना करने का कोई भी अवसर अपने हाथ से नहीं जाने दिया। इस महामारी में अपने राजनीतिक फायदे के लिए विपक्ष हमेशा 'आपदा में अवसर' ढूंढता हुआ ही नजर आया। यहां देखा यह भी गया कि कैसे विपक्ष ने जनता की मदद करने के बजाय पूर्वाग्रह से ग्रसित चन्द विदेशी मीडिया का हवाला देकर सरकार की आलोचना करना अधिक महत्वपूर्ण समझा। कुछ समय पहले जब यही विदेशी मीडिया प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का गुणगान कर रहा था, तब विपक्ष द्वारा इसी विदेशी मीडिया को कठघरे में खड़ा करने का प्रयास भी किया गया था। शायद ही ऐसा कोई मौका हो जब विदेशी मीडिया में भारत के प्रधानमंत्री की तारीफ होने पर विपक्ष द्वारा सार्वजनिक रूप से उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई हों। इससे कोई मना नहीं करता कि जो सही नहीं उसकी ओर ध्यान ना दिलाया जाए। आलोचना तो होनी चाहिए, लेकिन सिर्फ सरकार की आलोचना विपक्ष की मंशा पर सन्देह उत्पन्न करती है, क्योंकि सरकार के साथ-साथ कुछ जबावदेही तो विपक्ष एवं जनता की भी है। किसी भी विपक्षी राजनेता ने यह अपील नहीं की कि कोरोना महामारी के कारण किसानों को अपना आन्दोलन समाप्त अथवा स्थगित कर देना चाहिए। विपक्ष ने कोरोना महामारी को लेकर जनता को उनकी जबावदेही के लिये कभी आगाह नहीं किया, बल्कि कई जगह विपक्षी राजनेताओं ने जनता को भड़काने एवं उकसाने का कार्य जरूर किया। कोरोना से लड़ाई में सरकार की कमियों के साथ-साथ विपक्ष की नकारात्मकता एवं जनता की लापरवाही पर भी चर्चा होनी चाहिए। कोरोना महामारी का सहारा लेकर विपक्ष को कुर्सी तक पहुंचाने की कोशिश में मीडिया का एक तबका भी जी-जान से लगा हुआ है। कई न्यूज चैनल के एंकर तो सरकार की आलोचना में इतने उतावले नजर आ रहे हैं जैसे इन्होंने किसी से प्रधानमंत्री की आलोचना करने की सुपारी ले ली हो।

पिछले साल भारत द्वारा 150 से अधिक देशों को दवाईयां एवं अन्य सामग्री भेजी गई। 70 देशों में भारत की बनी वैक्सीन पहुंचाई गई। 2014 से पहले जहां देश में लगभग 55 हजार एम.बी.बी.एस. सीटें थीं वहीं पिछले सात साल में इसमें 30 हजार से ज्यादा की वृद्धि की जा चुकी है। इसी तरह पी.जी. की सीटें भी जो 30 हजार हुआ करती थीं, उनमें 24 हजार से ज्यादा नई सीटें जोड़ी जा चुकी हैं । 2014 में छह एम्स थे जबकि पिछले सात सालों में 15 एम्स स्वीकृत हुए हैं। लेकिन इन्हें नरेन्द्र मोदी सरकार के सात साल के कार्यकाल में एक भी अच्छा कार्य नजर नहीं आ रहा है। वस्तुतः यहां बताने को बहुत कुछ है । लेकिन ये हमेशा इसी को लेकर चिन्तित रहते हैं कि प्रधानमंत्री ने जो बोला वह क्यों बोला एवं जो नहीं बोला वह क्यों नहीं बोला! गोदी मीडिया, व्हाटसएप यूनिवर्सिटी, हिन्दू-मुस्लिम जैसे विवादास्पद शब्दों के बिना इनका कार्यक्रम पूरा नहीं होता। एक चैनल के पत्रकार तो इन दिनों इतने उतावले नजर आ रहे हैं कि ये महाशय जिन-जिन की ओर गोदी मीडिया होने का इशारा करते हैं, उन सभी जगहों पर सरकार की आलोचना देखने, सुनने और पढ़ने को मिल जायेगी, लेकिन इनके कार्यक्रम में आपको सिर्फ सरकार की आलोचना ही मिलेगी। एक नोबेल पुरस्कार विजेता एवं विपक्ष की तरह यह भी सरकार की आलोचना करने का कोई भी मौका हाथ से नहीं जाने देते। नोबेल पुरस्कार मिलना इस बात की कतई गारन्टी नहीं हो सकता कि आप हमेशा सही ही होंगे और तब तो बिल्कुल भी नहीं जब आप पूर्वाग्रह से ग्रसित हों। एंकर महोदय की स्थिति तो उस रैफरी की तरह नजर आती है जिसने मैच शुरू होने के पहले ही यह घोषणा कर दी हो कि मैं तो फलां टीम के पक्ष में रहूंगा। यदि ऐसा न होता तो इनके सैकड़ों कार्यक्रमों में से कुछ कार्यक्रमों में तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार के कुछ अच्छे कामों की तारीफ जरूर देखने को मिलती। इनके कार्यक्रम एवं बहुत पहले दूरदर्शन पर आने वाले 'चित्रहार' में अब सिर्फ इतना ही अंतर नजर आता है कि 'चित्रहार' का सिर्फ समय पता रहता था यह मालूम नहीं रहता था कि कौन से गाने देखने को मिलेंगे। लेकिन इनके कार्यक्रम के बारे में समय के साथ-साथ कम से कम इतना अंदाजा तो रहता ही है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार की आलोचना के बिना इनका कार्यक्रम पूरा नहीं होगा। इन्हें अपने कार्यक्रम का नाम 'ए.एन.एम.एस.के.' रख लेना चाहिए अर्थात 'आलोचना नरेन्द्र मोदी सरकार की'। यदि यह नाम पसंद न आये तो 'ए.एन.एम.के.' पर भी विचार किया जा सकता है अर्थात् 'आलोचना नरेन्द्र मोदी की'। वस्तुतः यहां यही कहना होगा कि सिर्फ प्रतिभाशाली होना ही काफी नहीं है जरूरी है प्रतिभा का उपयोग सही दिशा में हो। निष्पक्षता मीडिया की सबसे बड़ी विशेषता है तथा पक्षपात मीडिया पर सबसे बड़ा आरोप है। बहुत ही दुखद एवं दुर्भाग्यपूर्ण है मीडिया से जुड़े लोगों का किसी एक तरफ हो जाना। वास्तव में यही असली गोदी मीडिया है। जीरो को हीरो बनाने की कोशिश में कोई बुराई नहीं है, लेकिन पूर्वाग्रह के कारण हीरो को जीरो बताने की कोशिश निश चित तौर पर एक नकारात्मक प्रयास है। किसी दूसरे क्षेत्र में विशेषज्ञता रखने वाला चिकित्सक कितना ही योग्य क्यों न हो, वह सर्जरी नहीं कर सकता, सर्जरी सिर्फ सर्जन ही कर सकता है। देश में आज कई क्षेत्र ऐसे हैं जहां अभी बहुत सर्जरी एवं सर्जीकल स्ट्राइक होनी है, इसलिये सत्ता तक पहुंचने के लिए विपक्ष द्वारा कोरोना महामारी को ढाल के रूप में उपयोग करना किसी भी रूप में देशहित में प्रतीत नहीं होता है और यह बात अब जनता भी अच्छी तरह समझ चुकी है कि कोरोना महामारी को लेकर विपक्ष की पैंतरेबाजी सिर्फ एक नौटंकी एवं कुर्सी तक पहुंचने की कवायद मात्र है। यहां यदि जो सत ता में है यदि वे भी विपक्ष में रहकर इसी प्रकार का आचरण करते दिखाई देते तो यह सभी बातें उन पर भी लागू होतीं। लेकिन फिलहाल ये सभी बातें मोदी सरकार को बेवजह घेराव कर रहे विपक्ष की कमियों की ओर ही इशारा कर रहे हैं ।

(लेखक जीवाजी विश वविद्यालय, ग्वालियर में वाणिज्य संकायाध्यक्ष हैं।)

ज्ञान गंगा

जुड़ाव

सद्गुरु

अगर तार्किक रूप से देखा जाए तो किसी चीज से अपनी पहचान न बनाने का मतलब है कि आपके और आपके काम बीच एक दूरी है। लेकिन पहचान नहीं बनाने का मतलब उसके साथ जुड़ाव न रखना नहीं है। दरअसल, जब आप कोई पहचान नहीं रखते तो आप सजग रूप से खुद को जोड़ सकते हैं। अगर आप अपने जीवन की हर स्थिति में खुद को झोंक नहीं देते, तो इसकी सिर्फ एक वजह है कि आपने अपनी पहचान बहुत गहरी बना रखी है। आप अपने स्वार्थ की वजह से खुद को पूरी तरह से समर्पित नहीं कर सकते हैं, लेकिन जब आप चीजों से अपनी पहचान नहीं बनाते तो फिर आप पूरी तरह से किसी चीज से जुड़ सकते हैं, लेकिन जब आप चीजों से पहचान बनाते हैं, और फिर किसी चीज से जुड़ना चाहें तो हर बार आपका जुड़ाव आपसे सवाल करता है कि आप जो हैं, उसका क्या होगा? जब चीजें वैसे नहीं होतीं, जैसा आप सोचते हैं तो आपकी पहचान खतरे में आ जाती है और तब वह स्थिति आपके लिए बेहद असुरक्षित व डरावनी हो उठती है। आप खुद को जीवन के साथ सचमुच तभी जोड़ पाएंगे, जब आप इससे अपनी पहचान स्थापित नहीं करेंगे। मान लीजिए मेरे किसी रिश्तेदार के साथ कुछ गलत हो गया। ऐसे में हो सकता है कि मुझे वहां जाना पड़े और उनकी कुछ मदद करनी पड़े, लेकिन अगर मैं उस स्थिति से प्रभावित नहीं होता हूं तो क्या आपको लगता है कि मैं वहां जाकर वह सब कर पाऊंगा, जिसकी वहां जरूरत होगी? मान लीजिए आपके प्रियजन के साथ कुछ घटित हुआ और आपने उनके साथ अपनी पहचान बनाकर नहीं रखी है, तब भी आप अपनी तरफ से हर चीज अपनी पूरी क्षमता के साथ करेंगे। क्योंकि आपकी पहचान स्थापित न होने का मतलब यह नहीं है कि आप का प्रेम, आपका लगाव सबकुछ चला गया, लेकिन अगर आपने अपनी पहचान बनाई होगी, तो आप शायद सो नहीं पाएंगे, खा नहीं पाएंगे। अब आप ही बताइए कि अगर आपके सामने ऐसी स्थिति आए कि आपके आसपास किसी के साथ कुछ गलत घटित हो जाए और उस समय उन्हें आपकी जरूरत हो, तो वहां होने का सबसे अच्छा तरीका कौन सा होगा? वहां अपने होशोहवास व संतुलन को पूरी तरह से बनाए रखते हुए मौजूद होना या फिर अपना संतुलन खोकर वहां रहना-दोनों में से बेहतर क्या होगा?

आज का राशिफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने बहुमूल्य सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। त्वचा उदर या वायु विकार की संभावना है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किया गया प्रयास सफल होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। परिश्रम अधिक करना होगा।

कर्क पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। अनचाही यात्रा या विवाद में फंस सकते हैं।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। विरोधी शारीरिक या मानसिक रूप से कष्ट देंगे। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पिता या संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा।

वृश्चिक पारिवारिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मैत्री संबंध में प्रगाढ़ता आयेगी।

धनु शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। छोटी-छोटी बातों पर उत्तेजना हो सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रोग और विरोधी बढ़ेंगे। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। चली आ रही समस्याओं का समाधान होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखत व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

अंतरिक्ष में ऑक्सीजन-भोजन की बचत

प्रमोद भार्गव

सुखद आश्चर्य की बात है कि बौद्ध भिक्षु रूस के अंतरिक्ष विज्ञानियों को योग के ऐसे तरीके सिखा रहे हैं, जिनके जरिए हफ्तों तक अर्ध-सुप्तावस्था या शीतनिद्रा में रह सकें। भिक्षुओं की ये ज्ञान पद्धतियां भविष्य में लंबी दूरी के मंगल, शुक्र, बृहस्पति जैसे अंतरिक्ष अभियानों में यात्री उपयोग में लाएंगे, जिससे उनकी यात्रा सरल हो जाए। मॉस्को स्टेट विवि के वैज्ञानिक दलाई लामा की अनुमति से सौ बौद्ध भिक्षुओं पर यह अध्ययन कर रहे हैं। साफ है, भारतीय योग की क्रियाएं शरीर को स्वस्थ, चित्त को एकाग्र व मस्तिष्क को शांत बनाए रखने के उपाय हैं। यदि चरित्र उत्तम और आचरण शुद्ध हो तो योग का अप्रत्याशित लाभ होता है। मार्स-500 और लंबी दूरी के रूसी स्पेस मिशन के प्रमुख प्रो. यूरी बबयेव के अनुसार भिक्षुओं द्वारा योग साधना में प्रयोग की जाने वाली 'शीतनिद्रा' मंगल जैसे मिशन के लिए जरूरी मानी जा रही है। बबयेव का समूह मुख्य रूप से तिब्बती भिक्षुओं की टुकड़म प्रणाली अर्थात मरणोपरांत ध्यान पर काम कर रही है। इस साधना में लीन हो जाने पर भिक्षुओं को चिकित्सीय रूप में मृत घोषित कर दिया जाता है। तत्पश्चात भी वे बिना किसी शारीरिक तत्वों के क्षरण के सीधे बैठे रहते हैं। उनके शरीर से कोई दुर्गंध भी नहीं आती और फिर सामान्य अवस्था में भी आ जाते हैं। यह दल मानसिक चेतना की बदलती हुई अवस्थाओं पर भी अध्ययन कर रहा है। शीतनिद्रा, योगनिद्रा, श्वासन, ध्यान और प्राणायम जैसी पद्धतियों को सीखकर ये वैज्ञानिक चयापचय (मेटाबॉलिज्म) की गति को नियंत्रित करने अथवा परिवर्तित करने के गुण सीख रहे हैं ताकि लंबी दूरी की अंतरिक्ष यात्रा भोजन की कमी के बावजूद सुगमता से कर सके और शरीर को किसी प्रकार की हानि भी न हो। भारतीय योग साधनाएं शरीर को रथ और इंद्रियों को अश्व मानती हैं। इनमें आत्मा रथी है, बुद्धि सारथी है और मन लगाम है। सारथी अश्वों की लगाम खींच कर हांक रहा है। इस रूपक से निश्चित है कि शरीर और इंद्रियों के समन्वय से ही शरीर गतिशील रहता है और इंद्रियों के माध्यम से उसे शक्ति या ऊर्जा मिलती है। शरीर स्थूल है, किंतु इंद्रियां जिन शब्द स्पर्श, रूप, रस और गंध को ग्रहण करती हैं, वे सूक्ष्म हैं। इंद्रियों को नियंत्रित करने वाला मन और भी अधिक सूक्ष्म है। पंच-तत्वों से निर्मित शरीर में इंद्रियां भोग का प्रवेश द्वार हैं और मन इनकी संवेदना को ग्रहण कर बुद्धि को अनुभूति कराता है। इसीलिए बौद्ध मनोविज्ञान में शरीर और मन को एक-दूसरे पर निर्भर माना गया है। इंद्रियों और मन पर नियंत्रण ही योग साधनाओं का मूल है। ऐसा माना जाता है कि शीतनिद्रा या योगनिद्रा की प्रेरणा ऋषि-मुनियों ने वन्य-प्राणियों से ली है। मौसम की प्रतिकूलता और आहार की कमी के चलते ध्रुवीय भालू, सांप, कछुआ, मेढक जैसे जीव शीत-ऋतु में कई महीनों के लिए भूमिगत होकर शीत-निद्रा में चले जाते हैं, जिससे ठंड का प्रभाव झेलना न पड़े। इस समय इनकी सांस धीमी गति से चलती है और ये शरीर में पूर्व से उपलब्ध चर्बी व अन्य पोषक तत्वों से जीवन के लिए ऊर्जा लेते हैं। हिमालय में ऐसे समाधि में लीन योगियों की चर्चा देखने-सुनने में आती रहती है। विचारहीनता की यही स्थिति मन-मस्तिष्क और इंद्रियों को निश्चेत या निष्क्रिय बनाए रखने का काम करती है। इस स्थिति में शरीर का तापमान सामान्य से नीचे चला जाता है और चयापचय की क्रिया सुप्त पड़ जाती है। चिकित्सा विज्ञान में इसे ही मृत अवस्था माना जाता है, लेकिन इस स्थिति को प्राप्त योगी, योग-निद्रा में लीन होने के कारण वास्तव में जीवित होते हैं। भारतीय योगदर्शन में साधना की इस स्थिति को आत्म-सम्मोहन की चरम स्थिति माना गया है। तिब्बती बौद्धों में इस साधना में उत्तीर्ण होने के लिए एक कठिन परीक्षा से

गुजरना होता है। इसमें शिक्षार्थियों को तिब्बत के पठारों पर जब बर्फ गिरती है, तब निर्वस्त्र गिरती बर्फ के नीचे बैठकर साधना में लीन हो जाने की आज्ञा दी जाती है। जब ये भिक्षु साधना की पूर्ण स्थिति में लीन हो जाते हैं, तब यह जानकर आश्चर्य होता है कि इनके शरीर से शून्य से नीचे तापमान होने के बाद पसीना चुचाता रहता है। शरीर और मन पर नियंत्रण की यह अद्वितीय साधना भिक्षु की अंतिम परीक्षा होती है। बहरहाल, रूस के वैज्ञानियों से प्रेरित होकर भारतीय वैज्ञानिक भी क्या अंतरिक्ष अभियानों के लिए योग साधनाओं के प्रयोग को अपनाने की हिम्मत जुटाएंगे? चूंकि अंतरिक्ष अभियान लंबी दूरी के होते हैं, इसलिए रूसी वैज्ञानिक इन योग साधनाओं को सीखकर चयापचय की स्वाभाविक क्रिया को नियंत्रण में लेना चाहते हैं, जिससे शरीर में ऊर्जा की बचत हो, शरीर का क्षरण भी न हो और यात्रा जारी रहे। नए वैज्ञानिक प्रयोगों से ज्ञात हुआ है कि भ्रामरी प्राणायम से नाइट्रिक ऑक्साइड का उत्सर्जन होता है। फलतः प्राणवायु (ऑक्सीजन) की मात्रा बढ़ जाती है जो अंतरिक्ष में दुर्लभ होती है। इस योग साधना से खुशी को बढ़ाने वाले हार्मोनों का स्राव होता है। दरअसल, हमारा पाचन तंत्र पूरी तरह श्वांस-प्रश्वांस पर आश्रित रहता है। श्वांस द्वारा ली गई प्राणवायु आहार को पचाने में महत्वपूर्ण होती है। इसके बिना भोजन में उपलब्ध प्रोटीन और वसा ग्लूकोज में परिवर्तित नहीं हो पाते हैं। प्रश्वांस द्वारा शरीर विभिन्न क्रियाओं से उत्सर्जित विसाक्त पदार्थों को बाहर कर देता है। इसे ही विज्ञान की भाषा में कार्बन डाइऑक्साइड कहा जाता है। श्वांस-प्रश्वांस के शरीर में आवागमन से ही शरीर स्वस्थ व मन प्रसन्न रहता है। योग के प्राचीन ग्रंथों के अनुसार नियमित योग करने से व्यक्ति की चेतना ब्रह्माण्ड की चेतना से जुड़ जाती है, जो मन एवं शरीर, मानव एवं प्रकृति के बीच समन्वय स्थापित करती है। योग के बाद शरीर में बीटा एंडोर्फिन नामक हार्मोन का स्राव बढ़ जाता है, जो शरीर को दर्द और मस्तिष्क को तनाव से मुक्त करता है।

मंत्रिमंडल ने गरीब कल्याण योजना को पांच महीने के लिए नवंबर तक बढ़ाया

नयी दिल्ली, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त राशन मुहैया कराने के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) को पांच महीने के लिए नवंबर तक बढ़ाने की मंजूरी दी। कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के दौरान सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के गरीब लाभार्थियों को होने वाली आर्थिक कठिनाइयों के मद्देनजर इस साल जून तक दो महीने के लिए पीएमजीकेएवाई को फिर शुरू किया गया था। इस महीने की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को संबोधित करते हुए कहा था कि केंद्र के मुफ्त भोजन कार्यक्रम पीएमजीकेएवाई को दिवाली तक पांच महीने के लिए बढ़ा दिया जाएगा। मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। एक आधिकारिक बयान में कहा गया, ''केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पीएमजीकेएवाई (चरण-4) के तहत पांच महीने की एक और अवधि यानी जुलाई से नवंबर 2021 तक के लिए अतिरिक्त खाद्यान्न के आवंटन को मंजूरी दे दी है।'' बयान में कहा गया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत कवर किए गए अधिकतम 81.35 करोड़ लाभार्थियों, जिसमें प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के तहत कवर किए गए लोग भी शामिल हैं, को पांच किलो प्रति व्यक्ति प्रति माह की दर से मुफ्त अतिरिक्त खाद्यान्न दिया जाएगा। बयान के मुताबिक इसके लिए 64,031 करोड़ रुपये की अनुमानित खाद्य सब्सिडी की जरूरत होगी, जबकि अतिरिक्त खर्च के रूप में 3,234.85 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

व्यवसाय के लिए संदेश भेजने को आसान बना रहा गूगल फोन

सैन फ्रांसिस्को। गूगल फोन किसी व्यवसाय को नए चैट बटन से कॉल करने के बजाय संदेश देना पहले से कहीं अधिक आसान बना रहा है। 9 ट 5 गूगल की रिपोर्ट के अनुसार पिछले साल, गूगल ने व्यावसायिक संदेश नामक एक नई प्रणाली का अनावरण किया, जो उपयोगकर्ताओं को गूगल मेप या खोज के माध्यम से व्यवसाय के स्थान पर संदेश भेजने की अनुमति देता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस मॉडल में व्यवसाय दोनों के लिए फायदे है, जिससे एक साथ कई ग्राहकों और ग्राहक के साथ बातचीत करना आसान हो जाता है। इससे सरल प्रश्नों के उत्तर प्राप्त करना आसान होता है और यहां तक कि सुनने की अक्षमता वाले लोगों के लिए व्यवसाय को अधिक सुलभ बना दिया है। जैसा कि एंड्रॉइड पुलिस द्वारा देखा गया है, व्यापार संदेश के लिए अगला स्थान गूगल फोन है, हालांकि अभी के लिए सीमित आधार पर। किसी व्यवसाय का फोन नंबर टाइप करने पर, उपयोगकर्ताओं को व्यावसायिक मिलान के साथ प्रस्तुत किया जाएगा। स्क्रीन के निचले हिस्से में जहां यूजर्स को आमतौर पर कॉल बटन दिखाई देता था, वहीं अब दूसरा विकल्प चैट है। ऐसा पहली बार दिखाई देने पर, उपयोगकर्ताओं को लाइव एजेंट के साथ चैट करने के लिए प्रोत्साहित करने वाले एक शानदार संदेश के साथ स्वागत किया जाएगा। चैट बटन स्लाइड्स को टैप करने से एक पूर्ण स्क्रीन शीट खुलती है, जो उस विशेष व्यवसाय के साथ चैट विंडो के रूप में कार्य करती है। यहां, उपयोगकर्ता एक संदेश टाइप कर सकते हैं या आपके कैमरा रोल से एक फोटो भी संलग्न कर सकते हैं।

सीतारमण ने बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण पर फिर से विचार करने का आह्वान किया

नयी दिल्ली,

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के अनुरूप समावेशी, टिकाऊ और लचीला बुनियादी ढांचा तैयार करने के लिए वित्तपोषण तथा विकास प्राथमिकताओं को फिर से तय करने का आह्वान किया। एसडीजी को 2015 में अपनाया गया था और इसके तहत पूरी दुनिया ने 2030 तक अत्यधिक गरीबी खत्म करने, असमानता को कम करने और पृथ्वी को संरक्षित करने का साझा लक्ष्य तय किया है। सीतारमण ने सिंगापुर के वित्त मंत्रालय के तहत आने वाले एंटरप्राइज सिंगापुर और सिंगापुर मौद्रिक प्राधिकरण द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एशिया इंफ्रास्ट्रक्चर फोरम में सरकार द्वारा बुनियादी ढांचे पर खर्च को बढ़ावा देने के लिए किए गए विभिन्न उपायों की जानकारी दी। वित्त मंत्रालय ने कई ट्वीट करके कहा, ''वित्त मंत्री ने खुले, नियम आधारित और पारदर्शी आर्थिक वातावरण के लिए भारत के नीति आधारित दृष्टिकोण, निजी निवेश और विदेशी पूंजी को प्रोत्साहन, सार्वजनिक व्यय में वृद्धि और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए मजबूत संस्थागत संरचना पर जोर दिया।'' इसके साथ ही सीतारमण ने बुनियादी ढांचे और विकास के वित्तपोषण के लिए राष्ट्रीय बैंक की स्थापना, राष्ट्रीय बुनियादी ढांचा पाइपलाइन, राष्ट्रीय मौद्रिकरण पाइपलाइन, उदार एफडीआई, बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए गिफ्ट सिटी के विकास और नवाचार को प्रोत्साहित करने की बात भी की।

2 ट्रिलियन डॉलर मार्केट कैप पास करने वाली माइक्रोसॉफ्ट बनी दूसरी अमेरिकी फर्म

सैन फ्रांसिस्को। टेक दिग्गज माइक्रोसॉफ्ट 2 ट्रिलियन डॉलर के बाजार पूंजीकरण पर पहुंच गया है। ये उस सीमा को पार कर चुकी वैश्विक कंपनियों के एक छोटे समूह में शामिल हो गया है जिसमें एप्पल भी शामिल है।एप्पल अगस्त 2020 में 2 ट्रिलियन डॉलर मार्केट कैप पर पहुंच गया था। एप्पल की तरह, माइक्रोसॉफ्ट को भी कोविड -19 महामारी के कारण घर-घर और दूरस्थ शिक्षा में उछाल से लाभ हुआ है। मार्च 2020 के बाद से, जब लॉकडाउन शुरू हुआ तो माइक्रोसॉफ्ट के स्टॉक में 64 फीसदी का उछाल आया है। अप्रैल में कंपनी ने बताया कि उसकी बिक्री 2020 की पहली तिमाही में साल-दर-साल 19 प्रतिशत बढ़कर 41.7 बिलियन डॉलर हो गई थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि लेखन के समय, एप्पल का बाजार मूल्यांकन मानक 2.24 ट्रिलियन डॉलर है। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि क्यूपर्टिनो टेक दिग्गज कुछ वर्षों के भीतर 3 ट्रिलियन डॉलर मार्केट कैप तक पहुंचने वाले पहले व्यक्ति बन सकते हैं।प्रौद्योगिकी दिग्गजों के साथ, तेल कंपनी सऊदी अरामको ने भी एक बार 2 ट्रिलियन डॉलर का आंकड़ा पार किया। मंगलवार को इसका मार्केट वैल्यूएशन 1.88 ट्रिलियन डॉलर था।

चुनौतियों का सामना करने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा महत्वपूर्ण- गंगवार

नयी दिल्ली, केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री संतोष गंगवार ने बुधवार को शिक्षा प्रणाली के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि भारत प्रारंभिक शिक्षा से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्तर तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के साथ ही कौशल विकास पर भी जोर दे रहा है। श्रम मंत्रालय ने यहां एक बयान में कहा कि गंगवार जी20 देशों के श्रम एवं रोजगार मंत्रियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का मकसद स्कूल और उच्च शिक्षा प्रणालियों में सुधार करना है। संयुक्त शिक्षा और श्रम एवं रोजगार मंत्रियों की घोषणा पर अपने मंत्रिस्तरीय संबोधन में गंगवार ने युवा पीढ़ी को रोजगार के दौरान चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाने के लिए शिक्षा प्रणाली और श्रम बाजार के महत्व को स्वीकार किया, जो तेजी से विकसित हो रहा है और महामारी के कारण अब और अधिक चुनौतीपूर्ण बन गया है। उन्होंने कहा कि भारत ने युवाओं के क्षमता निर्माण और कौशल विकास के लिए कई पहल की हैं। गंगवार ने कहा कि भारत में रोजगार सृजन के लिए, सरकार आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना के तहत ईपीएफ योगदान का 24% तक का भुगतान कर रही है। उन्होंने कहा कि रोजगार सृजन, ईएसआईसी के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा लाभ और रोजगार और आजीविका को बनाए रखने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

एसबीआई को चालू वित्तीय वर्ष में 9,000 करोड़ रुपये तक की पूंजी जुटाने की जरूरत

मुंबई।

देश का सबसे बड़ा बैंक भारतीय स्टेट बैंक पूंजी पर्याप्तता प्रोफाइल को और बढ़ाने के लिए चालू वित्त वर्ष (वित्त वर्ष 22) में अतिरिक्त टियर आई बॉन्ड (एटी 1 बॉन्ड) के माध्यम से केवल 9,000 करोड़ रुपये तक की पूंजी जुटा सकता है और अगले साल केवल अतिरिक्त जुटाने की योजना पर विचार कर सकता है। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि बैंक 13.74 प्रतिशत के ठोस पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) के साथ बैठा है और वित्त वर्ष 22 में ऋण वृद्धि 9 प्रतिशत के करीब पहुंचने की उम्मीद है। यह बैंक को 14,000 करोड़ रुपये की टियर- आई पूंजी जुटाने की योजना का पूरा क्वांटा जुटाने से रोकेगा, जिसे उसके बोर्ड ने इस साल की शुरुआत में मंजूरी दी थी। एसबीआई सेंट्रल बोर्ड ने सोमवार को वित्त वर्ष 22 में रुपये और/या अमेरिकी डॉलर में बेसल अनुपालन ऋण साधन जारी करके अतिरिक्त टियर क बॉन्ड (एटी 1 बॉन्ड) के माध्यम से पूंजी में 14,000 करोड़ रुपये तक की योजना को मंजूरी दी। सूत्रों ने कहा कि एसबीआई की ओर से जुटाई गई ज्यादातर पूंजी का इस्तेमाल इस साल आने वाले एटी-1 और टियर-2 बॉन्ड की मैच्योरिटी के लिए किया जाएगा। परिपक्वता राशि लगभग 9,000 करोड़ रुपये है जिसे इस वर्ष बैंक द्वारा जुटाई गई पूंजी के माध्यम से वित्तपोषित किया जा सकता है। एसबीआई के एक अधिकारी ने कहा कि 14,000 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाने की योजना के लिए अनुमति एक सक्षम प्रावधान है और वास्तविक जारी करना बाजार की स्थितियों और सिस्टम में ऋण वृद्धि पर निर्भर करेगा। सूत्रों ने बताया कि केंद्र ने बैंक की पूंजी जुटाने की योजना को मंजूरी दे दी है, लेकिन अधिकारियों ने इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। केंद्र की सहमति महत्वपूर्ण है क्योंकि यह 31 मार्च, 2021 तक 57.63 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ बैंक का प्रमोटर है। मार्च 2021 में एसबीआई कॉमन इक्विटी टियर आई (सीईटीआई) 10.02 प्रतिशत था, जो नियामकीय आवश्यकता 7.97 प्रतिशत से अधिक था। मार्च 2021 में इसका एटी-1 स्तर 1.42 प्रतिशत था, जो मार्च 2020 में 1.23 प्रतिशत था। नियामक आवश्यकताओं से अधिक सीईटीआई के साथ, एसबीआई को पूंजी जुटाने के लिए कठिन दबाव नहीं है और जब भी आवश्यकता होगी, बोर्ड और शेयरधारकों से आवश्यक अनुमोदन के लिए संपर्क करेगा।

नये आयकर पोर्टल में कई खामियां, सीतारमण ने इन्फोसिस से कहा- दिक्कतों को जल्द से जल्द करो ठीक

बिजनेस डेस्क।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इन्फोसिस से कहा कि आयकर विभाग के नये पोर्टल में आ रही खामियों को तुरंत दूर किया जाये। वहीं साफ्टवेयर क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ने आश्वासन देते हुये कहा कि पिछली आईटीआर देखने, इलेक्ट्रानिक-प्रक्रिया बढ़ाने सहित पांच तकनीकी खामियों का एक सप्ताह के भीतर समाधान कर लिये जाने की उम्मीद है।

तकनीकी दिक्कतों को लेकर हुई समीक्षा बैठक

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नये पोर्टल के कामकाज को लेकर इन्फोसिस के अधिकारियों के साथ नये आयकर ई-फाइलिंग पोर्टल में आ रही तकनीकी दिक्कतों को लेकर समीक्षा बैठक की। पोर्टल सात जून को जारी किया गया उसके बाद से ही इसमें तकनीकी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वित्त मंत्रालय को पिछले कुछ दिनों में प्राप्त 700 से अधिक ईमेल में विभिन्न हितधारकों ने नए पोर्टल में 2,000 से ज्यादा कमियां गिनायी थीं। इनमें खासतौर से नये पोर्टल से जुड़ी 90 समस्यायें बताई गई। आयकर विभाग का नया ई- पोर्टल इन्फोसिस ने तैयार किया है।

कई वरिष्ठ अधिकारी बैठक में रहे मौजूद

सीतारमण के साथ वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर, राजस्व सचिव तरुण बजाज, सीबीडीटी चेयरमैन जगन्नाथ माहपात्र और वित्त मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में मौजूद थे। इस दौरान इन्फोसिस के अधिकारियों के साथ नये आयकर ई- पोर्टल में आ रही दिक्कतों को लेकर बिंदुवार विचार विमर्श किया गया। बैठक के बाद जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक वित्त मंत्री ने इन्फोसिस को आयकर पोर्टल को अधिक व्यवहारिक और सरल बनाने को कहा। सीतारमण ने नये पोर्टल में उपयोगकर्ताओं के समक्ष आ रही विभिन्न समस्याओं को लेकर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि पोर्टल से करदाताओं को बेहतर अनुभव मिलना चाहिये।

इन्फोसिस ने सरकार को किया आश्वस्त

बैठक के दौरान इन्फोसिस के सीईओ सलिल पारेख और मुख्य परिचालन अधिकारी प्रवीण राव के साथ कंपनी के अन्य अधिकारियों ने विभिन्न पक्षों द्वारा उठाये गये मुद्दों को नोट किया। उन्होंने पोर्टल के कामकाज में आ रहे तकनीकी मुद्दों को स्वीकार करते हुये उनके समाधान के लिये किये जा रहे प्रयासों और ताजा स्थिति से अवगत कराया। इन्फोसिस ने शेष बचे तकनीकी मुद्दों के बारे में सरकार को आश्वस्त किया कि उनकी टीम इसपर काम कर रही है और काम पूरा होने को लेकर संभावित समयसीमा की जानकारी दी।

सात जून को शुरू किया गया नया पोर्टल

इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स आफ इंडिया (आईसीएआई) और आल इंडिया फेडरेशन आफ टैक्स प्रेक्टीशनर्स (एआईएफटीपी) प्रतिनिधियों के अलावा 10 कर पेशेवरों ने भी इस बैठक में भाग लिया। आयकर विभाग का यह नया पोर्टल सात जून को शुरू किया गया लेकिन उसी दिन से इसमें कई तरह की खामियां सामने आई हैं। इसमें लॉगइन का समय अधिक लग रहा है, आधार सत्यापन के लिये ओटीपी जारी करने में समस्या खड़ी हो रही है और पिछले सालों के आयकर रिटर्न भी इसमें उपलब्ध नहीं हो रहे हैं।

रिटर्न भरने की आखिरी तिथि 30 सितंबर

आईसीएआई ने बैठक के बाद जारी एक वक्तव्य में कहा है कि उसे सीबीडीटी और इन्फोसिस इस संबंध में मुद्दों के त्वरित समाधान के लिये जरूरी जानकारी और समर्थन देते रहने को कहा गया है। आयकर विभाग का नया ई- फाइलिंग पोर्टल www.incometa&.gov.in सात जून को पेश किया गया था। इस कर पोर्टल को आम आयकरदाता भी अपनी सालाना रिटर्न दाखिल करने के लिये इस्तेमाल कर सकता है। इसमें 2020- 21 के वित्त वर्ष में अर्जित आय के लिये आकलन वर्ष 2021- 22 में रिटर्न दाखिल की जा सकती है। व्यक्तिगत आयकरदाताओं के लिये रिटर्न भरने की आखिरी तिथि 30 सितंबर है। इससे पहले इन्फोसिस की वार्षिक आम बैठक में कंपनी के शीर्ष अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि मुद्दों का समाधान करने पर काम कर रहे हैं और कुछ मामलों में उन्हें सफलता मिली है।

गृहिणियों के लिए अच्छी खबर, घर खर्च के लिए जोड़ी रकम पर नहीं लगेगा टैक्स

बिजनेस डेस्क।

नोटबंदी के बाद गृहिणियों द्वारा जमा कराई गई 2.5 लाख रुपये तक की नकद राशि आयकर जांच के दायरे में नहीं आएगी, क्योंकि आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (आईटीएटी) ने कहा है कि इस तरह की जमाओं को आय नहीं माना जा सकता है। एक व्यक्ति द्वारा दायर याचिका पर फैसला देते हुए आईटीएटी की आगरा पीठ ने कहा कि यह आदेश ऐसे सभी मामलों के लिए, एक मिसाल माना जाएगा। ग्वालियर की एक गृहिणी उमा अग्रवाल ने वित्त वर्ष 2016-17 के लिए अपने आयकर रिटर्न में कुल 1,30,810 रुपये की आय घोषित की थी, जबकि नोटबंदी के बाद उन्होंने अपने बैंक खाते में 2,11,500 रुपये नकद जमा किए। आयकर विभाग ने इस मामले को जांच के लिए चुना और निर्धारिती से 2.11 लाख रुपये की अतिरिक्त नकद जमा राशि की व्याख्या करने के लिए कहा गया था। अग्रवाल ने बताया कि उनके पति, बेटे, रिश्तेदारों द्वारा परिवार के लिए दी गई राशि से उन्होंने उपरोक्त राशि बचत के रूप में जमा की थी। सीआईटी (अपील) ने इस स्पष्टीकरण को स्वीकार नहीं किया और 2,11,500 रुपये की नकद जमा राशि को अस्पष्टीकृत धन मानते हुए कर निर्धारण अधिकारी के आदेश की पुष्टि की। इसके बाद अग्रवाल ने आईटीएटी का दरवाजा खटखटाया। न्यायाधिकरण ने सभी तथ्यों और तर्कों को देखने के बाद कहा, ''हमारा मानना है कि नोटबंदी के दौरान निर्धारिती द्वारा जमा की गई राशि को उनकी आय के रूप में नहीं माना जा सकता है। इसलिए निर्धारिती की अपील सही है।'' न्यायाधिकरण ने यह भी कहा कि परिवार में गृहिणियों का योगदान अतुलनीय है। नोटबंदी के दौरान 2.50 लाख रुपये तक जमा करने वाली महिलाओं को छूट देते हुए आईटीएटी ने कहा, ''हम स्पष्ट करते हैं कि इस फैसले को विमुद्रीकरण योजना 2016 के दौरान गृहिणियों द्वारा 2.5 लाख रुपये की सीमा तक नकद जमा के चलते होने वाली कार्रवाई के संबंध में उदाहरण माना जा सकता है।''

मुद्रास्फीति की आशंकाओं पर अमेरिका फेडरल पहले से दरें नहीं बढ़ाएगा

वाशिंगटन।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने मंगलवार को कहा कि केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति की आशंकाओं के आधार पर ब्याज दरों में अग्रिम रूप से वृद्धि नहीं करेगा, हाल ही में मुद्रास्फीति में बढ़ोतरी अस्थायी है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, पॉवेल ने सदन के समक्ष सुनवाई के दौरान सांसदों से कहा, हम पहले से ब्याज दरें नहीं बढ़ाएंगे क्योंकि हमें लगता है कि रोजगार बहुत ज्यादा है, क्योंकि हमें मुद्रास्फीति की संभावित शुरुआत का डर है। इसके बजाय, हम वास्तविक मुद्रास्फीति या अन्य असंतुलन के वास्तविक साक्ष्य का इंतजार करेंगे। पॉवेल ने कहा कि मुद्रास्फीति में हालिया वृद्धि का एक बड़ा हिस्सा उन श्रेणियों से आता है जो अर्थव्यवस्था के फिर से खुलने से सीधे प्रभावित होती हैं, जैसे कि इस्तेमाल की गई कारें और ट्रक। उन्होंने कहा, अर्थव्यवस्था के फिर से खुलने और विभिन्न कारकों के कारण बहुत मजबूत मांग और कमजोर आपूर्ति का एक आदर्श तूफान है। हाल की कीमतों में वृद्धि व्यापक रूप से तंग अर्थव्यवस्था की बात न करें। उन्होंने कहा मैं कहूंगा कि ये प्रभाव हमारी अपेक्षा से बड़े रहे हैं और वे हमारी अपेक्षा से अधिक स्थायी हो सकते हैं, लेकिन आने वाले डेटा इस दृष्टिकोण से बहुत अधिक संगत हैं कि ये ऐसे कारक हैं जो समय के साथ कम हो जाएंगे और मुद्रास्फीति फिर हमारे लक्ष्यों की ओर बढ़ेगी। पिछले सप्ताह जारी फेड के नवीनतम आर्थिक अनुमानों के अनुसार, कोर व्यक्तिगत उपभोग व्यय मूल्य सूचकांक, फेड का पसंदीदा मुद्रास्फीति उपाय, 2021 के अंत तक बढ़कर 3 प्रतिशत और अगले दो वर्षों में घटकर 2.1 प्रतिशत हो जाने की उम्मीद है। पॉवेल ने कहा, बेशक हम अपने उपकरणों का उचित उपयोग करने के लिए तैयार हैं, मुद्रास्फीति को 2 प्रतिशत तक ले जाने के लिए अगर ऐसा नहीं होता है, तो आप जानते हैं। फेड प्रमुख ने यह भी दोहराया कि केंद्रीय बैंक का इरादा रोजगार बाजार की व्यापक और समावेशी वसूली को प्रोत्साहित करना है। पॉवेल ने कहा, हम केवल बेरोजगारी के लिए हेडलाइन नंबर नहीं देखेंगे, हम बेरोजगारी के सभी प्रकार के उपायों को देखेंगे, जिसमें विभिन्न समूहों, जातीय समूहों, लिंग समूहों और इस तरह की चीजों के लिए बेरोजगारी और रोजगार शामिल हैं।

Moody's ने घटाया भारत की GDP ग्रोथ का अनुमान, 9.6 फीसदी रह सकती है आर्थिक वृद्धि की रफ्तार

बिजनेस डेस्क।

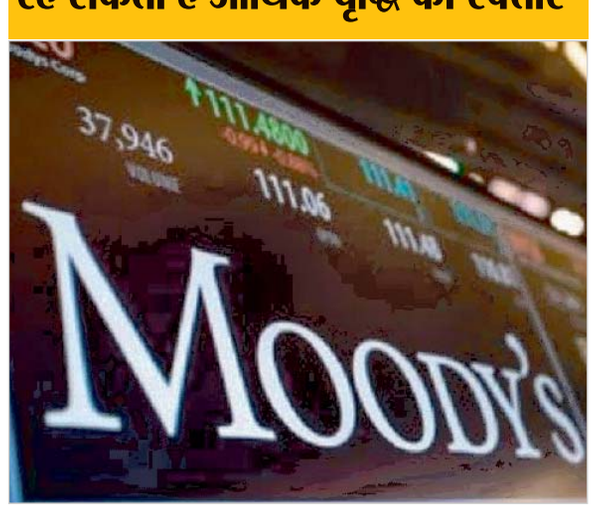

मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने बुधवार को वर्ष 2021 के लिए भारत के वृद्धि अनुमान को घटाकर 9.6 प्रतिशत कर दिया है, जो पिछले अनुमान के मुताबिक 13.9 प्रतिशत था। मूडीज ने साथ ही कहा कि तेजी से टीकाकरण के कारण जून तिमाही में आर्थिक प्रतिबंध सीमित होंगे। मूडीज ने 'व्यापक अर्थशास्त्र- भारत: कोविड की दूसरी लहर से आर्थिक झटके पिछले साल की तरह गंभीर नहीं होंगे' शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा कि उच्च आवृत्ति वाले आर्थिक संकेतक बताते हैं कि कोविड की दूसरी लहर ने अप्रैल और मई में भारत की अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया। हालांकि, राज्यों द्वारा प्रतिबंधों में ढील देने के साथ इसमें सुधार की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया कि वायरस की वापसी से 2021 में भारत के वृद्धि पूर्वानुमानों को लेकर अनिश्चितता बढ़ी है, हालांकि यह संभावना है कि आर्थिक नुकसान अप्रैल-जून तिमाही तक ही सीमित रहेगा। मूडीज ने आगे कहा कि हमें वर्ष 2021 में भारत की वास्तविक जीडीपी 9.6 प्रतिशत और 2022 में सात प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। भारतीय अर्थव्यवस्था 2020-21 में 7.3 प्रतिशत घटी है, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष के दौरान चार प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

इफको ने अर्जेंटीना में नैनो यूरिया संयंत्र लगाने के लिए समझौता किया

नयी दिल्ली,

सहकारी क्षेत्र की प्रमुख खाद कंपनी इफको ने बुधवार को कहा कि वह अर्जेंटीना में दो एजेंसियों- आईएनएईएस और कूपर, के साथ साझेदारी में तरल नैनो यूरिया विनिर्माण संयंत्र की स्थापना करेगी।कंपनी ने एक बयान में कहा कि इफको, आईएनएईएस और कूपर ने इस संबंध में एक सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इफको के अनुसार तीनों पक्ष मिलकर अर्जेंटीना में नैनो यूरिया उर्वरक विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने की व्यवहार्यता का पता लगाएंगे।इससे पहले इफको ने ऐसा ही एक एमओयू ब्राजील के सहकारिता संगठन ओसीबी के साथ किया था।भारतीय किसान उर्वरक सहकारी लिमिटेड (इफको) ने 31 मई को तरल रूप में दुनिया का पहला नैनो यूरिया पेश किया था और चालू महीने में इसका उत्पादन भी शुरू हो गया।ताजा एमओयू पर कूपर के अध्यक्ष एरियल ग्वार्को, आईएनएईएस के अध्यक्ष एलेक्जेंडर रोइग और इफको के विपणन निदेशक योगेंद्र कुमार ने एक आभासी बैठक में हस्ताक्षर किए।तरल नैनो यूरिया को गुजरात के कलोल में स्थित इफको के नैनो जैवप्रौद्योगिकी शोध केंद्र (एनबीआरसी) में स्वदेशी तकनीक के आधार पर विकसित किया गया है और यह पारंपरिक यूरिया के मुकाबले सस्ती है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूरो 2020 : चेक गणराज्य को 1-0 से शिकस्त देकर इंग्लैंड अंतिम-16 में

लंदन। इंग्लैंड ने ग्रुप डी के मुकाबले में चेक गणराज्य को 1-0 से हराकर यूरो कप 2020 फुटबॉल टूर्नामेंट के अंतिम-16 में प्रवेश कर लिया है।समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों टीमों ने मंगलवार के मुकाबले से पहले नॉक-आउट चरण के लिए क्वालीफाई कर लिया था। लेकिन ग्रुप डी का विजेता बनने के लिए इंग्लैंड को चेक गणराज्य पर जीत की जरूरत थी। इससे पहले, इंग्लैंड की तरफ से रहीम स्टेर्लिंग ने 12वें मिनट में ही गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। पहले हॉफ के खत्म होने तक चेक गणराज्य ने बराबरी हासिल करने की तमाम कोशिश की लेकिन सफल नहीं हो सकी और इंग्लैंड ने बढ़त बनाई रखी।दूसरे हॉफ में जहां इंग्लैंड ने बढ़त बढ़ाने की कोशिश की तो वहीं चेक गणराज्य ने वापसी करनी चाही। लेकिन अंतिम मिनट तक मैच में अन्य गोल नहीं हो सका। इंग्लैंड ने स्टेर्लिंग के एकमात्र गोल के दम पर जीत हासिल की और चेक गणराज्य को हार का सामना करना पड़ा।

टोक्यो ओलंपिक में भारत अपना अब तक का श्रेष्ठ प्रदर्शन करेगा : राजीव मेहता

नई दिल्ली।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के महासचिव राजीव मेहता ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस पर आज यहां फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पेफी) के खेल मंत्रालय के सहयोग से आयोजित किए गए वेबिनार में कहा कि भारत टोक्यो ओलंपिक में अपना अब तक का श्रेष्ठ प्रदर्शन करेगा। पेफी ने वेबिनार ओलंपिजम का आयोजन किया, जिसमें देश के जाने माने शारीरिक शिक्षाविदों, खेल प्रशासकों, द्रोणचार्य अवार्डियो, खेल विशेषज्ञों और पत्रकारों ने भाग लिया और भारतीय खेलों तथा ओलंपिक आंदोलन में भारतीय भागीदारी पर विचार व्यक्त किए।आईओए के महासचिव राजीव, कोषाध्यक्ष आनंदेश्वर पांडेय, पेफी के कार्यकारी अध्यक्ष डॉक्टर ए के उप्पल, हॉकी द्रोणाचार्य अवार्डी अजय कुमार बंसल, क्रीड़ा भारती के राज जी चौधरी और श्री प्रसाद महंकार, आयोजक सचिव चेतन कुमार, एल एनआईपीई के डॉक्टर विवेक पांडे, दिल्ली विश्वविद्यालय की एसोसिएट प्रोफेसर स्मिता मिश्रा और वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र सजवान ने ओलंपिक वेबिनार में भाग लिया और माना कि भारत में ओलंपिक की गंभीरता को देर से समझा गया लेकिन अब ओलंपिक आंदोलन धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ रहा है।राजीव के अनुसार खेल मंत्रालय और आईओए के बीच बेहतर तालमेल के चलते भारतीय खेल सही दिशा में बढ़ रहे हैं। उनके अनुसार टोक्यो ओलंपिक में भारत अपना अब तक का श्रेष्ठ प्रदर्शन करेगा। उन्होंने माना कि कोरोना के चलते खिलाड़ियों की तैयारी प्रभावित हुई लेकिन सभी खिलाड़ियों का मनोबल ऊंचा है। राजीव ने पेफी के प्रयासों को जमकर सराहा और उम्मीद जताई कि जल्दी ही पेफी भारतीय ओलंपिक समिति द्वारा लाभान्वित होगी। वह मानते हैं कि शारीरिक शिक्षकों को कोरोना काल में बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ा है और इन्हें फिर से मुख्य धारा से जोड़ने की जरूरत है। डॉक्टर स्मिता मिश्र ने महिला खिलाड़ियों की सुरक्षा और उनके साथ जुड़ी परेशानियों का बखूबी उल्लेख किया और कहा कि भारतीय खेलों में महिलाओं की भागीदारी को सालों तक नकारा जाता रहा। अंततः पीटी उषा, शाइनी अब्राहम, गीता जुत्सी आदि ने कड़ी मेहनत से महिला खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का रास्ता दिखाया। बाद के सालों में मैरीकॉम, सायना नेहवाल, पीवी सिंधू, साक्षी मालिक ने दिखाया कि वे पुरुषों से कम नहीं हैं। हॉकी द्रोणाचार्य अजय बंसल और वेबिनार में भाग लेने वाली तमाम खेल हस्तियों ने पेफी के महासचिव पीयूष जैन और उनकी टीम के प्रयासों को सराहा। इस अवसर पर जैन ने कहा कि वह ओलंपिक दिवस की शुभकामना के साथ कार्यक्रम की एक संक्षिप्त रिपोर्ट केंद्रिय खेल मंत्री किरन रिजिजू को सुपुर्द करेंगे। सभी मानते हैं कि भारतीय ओलंपिक आंदोलन धीमी रफ्तार से आगे बढ़ रहा है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार प्रदर्शन का डिकॉक को मिला ईनाम, पहुंचे सर्वश्रेष्ठ टेस्ट रैंकिंग पर

दुबई ।

दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक वेस्ट इंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में अपने शानदार प्रदर्शन की बदौलत बुधवार को जारी आईसीसी पुरुष टेस्ट रैंकिंग में फिर से टॉप 10 में पहुंच गए हैं। डी कॉक ने वेस्ट इंडीज के खिलाफ सेंट लूसिया में दक्षिण अफ्रीका की 58 रन की जीत और सीरीज को 2-0 से जीतने के शानदार प्रदर्शन में पहली पारी में सर्वाधिक 96 रन बनाए थे। उन्हें दो स्थान का फायदा मिला और वह 10 वें स्थान पर पहुंच गए। वह पिछले 18 महीनों में पहली बार टॉप 10 में पहुंचे हैं। 28 वर्षीय डी कॉक की करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग छठा नंबर थी जो उन्होंने दिसम्बर 2019 में हासिल की थी। आईसीसी ने एक बयान में कहा कि ताजा रैंकिंग में बाएं हाथ के एक और बल्लेबाज कप्तान डीन एल्गर ने 77 रन की अपनी शानदार पारी से एक स्थान का सुधार किया है और वह 19 वें स्थान पर पहुंच गए हैं रैसी वान डेर डुसेन दूसरी पारी में नाबाद 75 रन बनाने की बदौलत 31 स्थान की लम्बी छलांग लगाकर 43वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

मैच की पहली पारी में पांच विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज कैगिसो रबादा एक स्थान उठकर छठे नंबर पर पहुंच गए हैं।

पेरिस रैपिड और ब्लिट्ज़ शतरंज - यूएसए के वेसली सो को दोहरा खिताब

पेरिस , फ्रांस (निकलेश जैन) ग्रांड चैस टूर के दूसरे पड़ाव पेरिस रैपिड और ब्लिट्ज़ शतरंज मे रैपिड के बाद ब्लिट्ज़ में भी अपना शानदार खेल दिखाते हुए यूएसए के वेसली सो नें दोहरा खिताब अपने नाम कर लिया । वेसली सो नें अंतिम दिन 9 राउंड में सर्वाधिक 7 अंक बनाए और ब्लीट्ज़ मे अपना स्कोर कुल 12.5 अंक कर लिया और रैपिड के 12 अंक मिलाकर 24.5 अंको के साथ वह दूसरे स्थान पर रहे रूस के इयान नेपोंनियची से 3 अंको के बड़े फासले से विजेता बन गए । अंतिम पाँच राउंड में वेसली सो नें चार जीत दर्ज कर किसी को भी उनके नजदीक आने के मौका नहीं दिया, उन्होने इस दौरान यूएसए के लेवोन अरोनियन ,रूस के ब्लादिमीर क्रामनिक ,इयान नेपोमनियची और फीडे के अलीरेजा फिरौजा को पराजित किया । अन्य खिलाड़ियों फ्रांस के मकसीम लागरेव और अलीरेजा नें 18 अंक बनाए पर टाईब्रेक मे वह क्रमशः तीसरे और चौंथे स्थान पर रहे । 17.5 अंक बनाकर टाईब्रेक से यूएसए के लेवोन अरोनियन पांचवे और हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट छठे स्थान पर रहे । रूस के पीटर स्वीडलर 17 अंक बनाकर सातवे ,यूएसए के फबियानों करूआना 16.5 अंक बनाकर आठवे ,रूस के ब्लादिमीर क्रामनिक और फ्रांस के ऐटेने बकरोट सयुंक्त रूप से 15.5 अंक बनाकर नौवे और अजरबैजान के रद्जाबोव 14 अंक बनाकर दसवें स्थान पर रहे ।

जब मेरी टीम मुश्किल में होगी तो मैं सचिन तेंदुलकर जैसी पारी खेलूंगी : शैफाली वर्मा

स्पोर्ट्स डेस्क ।

भारतीय महिला टीम की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज शैफाली वर्मा ने इंग्लैंड महिला के खिलाफ हाल ही में एक मात्र टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन किया और डेब्यू टेस्ट की दोनों पारियों (96 और 63) में अर्धशतक लगाया। उन्होंने टीम को हार से बचाने में भी मदद की और मैच ड्रॉ रहा। उनके कोच अश्विनी कुमार एक संवादात्मक बातचीत में शामिल थे जिस दौरान उन्होंने युवा खिलाड़ी के करियर के बारे में विस्तार से बात की। अश्विनी ने खुलासा किया कि कैसे शैफाली वीरेंद्र सहवाग, सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली सहित खेल के कुछ दिग्गजों से प्रेरणा लेती है। टेस्ट मैच में 17 वर्षीय के शानदार प्रदर्शन के बाद कई लोगों ने सहवाग के साथ सलामी बल्लेबाज की तुलना की। उसी के बारे में बात करते हुए कोच ने कहा कि उन्होंने हमेशा शैफाली से कहा है कि वह पूर्व सलामी बल्लेबाज की तरह बल्लेबाजी करती हैं। हरियाणा में जन्मी ये खिलाड़ी पूर्व भारतीय कप्तान तेंदुलकर को आदर्श मानती है और उनके जैसा बनना चाहती हैं। शैफाली के कोच अश्विनी कुमार ने एक साक्षात्कार में बताया कि मैंने हमेशा उससे कहा कि तुम सहवाग की तरह बल्लेबाजी करो। वह भी सहमत हैं। लेकिन वह सचिन तेंदुलकर को आदर्श मानती हैं। वह कहती है कि वह सचिन तेंदुलकर की तरह बनना चाहती हैं। कोच ने कहा, मैच के बाद, उसने (शैफाली) मुझे फोन किया और पूछा %कोच साब, मैं कैसा खेली (कोच, मैं कैसा खेला?)। मैंने उससे कहा - %आउटस्टेंडिड और इसे जारी रखो। मैंने उनसे कहा कि देश के लिए मैच जिताने वाली पारियां खेलती रहो। उसने इंग्लैंड के हर गेंदबाज के खिलाफ योजना बनाई थी। जब मैंने उसे कुछ स्थितियों में थोड़ा शांत होने के लिए कहा तो उसने कहा कि मैं सचिन तेंदुलकर जैसी पारी खेलूंगी जब मेरी टीम मुश्किल में होगी।

संक्षिप्त समाचार

अनिर्बान लाहिड़ी ने कहा- ओलिम्पिक क्वालीफिकेशन पर हुई हैरानी

क्रोमवेल । भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी ने कहा कि वह इस साल अपने प्रदर्शन को देखते हुए ओलिम्पिक के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीद नहीं कर रहे थे लेकिन अब ऐसा होने के बाद वह टोक्यो खेलों में पदक जीतकर इसका फायदा उठाना चाहते हैं। लाहिड़ी ने मंगलवार को 60वें स्थान पर ओलिम्पिक के लिए कट हासिल किया। यह अंतरराष्ट्रीय गोल्फ महासंघ रैंकिंग के आधार पर अंतिम कोटा स्थान था। यह भारतीय गोल्फर कनेक्टेड में इस हफ्ते होने वाली पी.जी.ए. टूर की ट्रैवलर्स चैम्पियनशिप की तैयारियों में जुटा है। उन्होंने कहा कि यह बहुत हैरानी भरा था, मैं इसकी उम्मीद नहीं कर रहा था। उन्होंने कहा कि मुझे कोटा मिल गया है, लेकिन मुझे लग नहीं रहा है कि मैंने इसे हासिल कर लिया है क्योंकि मैं जानता हूं कि इस साल मेरा प्रदर्शन मेरी क्षमता से काफी कम था। यह एक गिफ्ट है और एक मौका है इसलिए मैं इसे बरबाद क्यों करूंगा। भारत को एक स्थान मिला था और लाहिड़ी ने देश के शीर्ष गोल्फर (340वें स्थान से) होने के नाते ओलंपिक के लिये क्वालीफाई किया। 33 साल के इस गोल्फर ने कहा कि मैं जानता हूं कि एक ओलंपियन होना क्या है क्योंकि मैं रियो में भी ओलंपिक में खेल चुका हूं लेकिन अब मैं सिर्फ एक ओलिम्पियन ही नहीं बनना चाहता। मैं एक पदक जीतना चाहता हूं, मैं कुछ ऐसा करना चाहता हूं जिससे अंतर पैदा हो। उन्होंने कहा- मैं जानता हूं कि एक पीजीए टूर जीतने से भी ऐसा हो जायेगा लेकिन एक पदक जीतना इससे ज्यादा अच्छा होगा। मेरी खेल और अपने देश के प्रति कुछ जिम्मेदारियां हैं। पूर्व एशियाई नंबर एक गोल्फर लाहिड़ी रियो में चोट के साथ खेलने के कारण 57वें स्थान पर रहे थे। लेकिन हाल में उन्होंने फार्म में लौटने के अच्छे संकेत दिए हैं जिसमें हाल में कोंगारी में पालमेटो चैम्पियनशिप में संयुक्त 25वां स्थान हासिल करना शामिल था।

जब गलत जर्सी पहने गेंदबाजी करने उतरे बुमराह

साउथम्पटन। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल मुकाबले के पांचवें दिन गलत जर्सी पहने उतरे थे। हालांकि, बाद में उन्होंने ड्रेसिंग रूम में जाकर इसे बदला।27 वर्षीय बुमराह जिन्होंने पांचवें दिन बिना विकेट लिए 57 रन लुटाए, वह टीम इंडिया की रेगुलर टेस्ट जर्सी पहने नजर आए जिसमें मुख्य प्रायोजक का नाम सेंटर में प्रिंट था। बुमराह ने गलत जर्सी पहने पहली ओवर फेंकी जिसके बाद उन्होंने ड्रेसिंग रूम में जाकर इसे बदला। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नियमनुसार जर्सी में देश का नाम सेंटर पर जबकि प्रायोजक का नाम स्लीव पर होना चाहिए। पांचवें दिन न्यूजीलैंड की पहली पारी 249 रन पर सिमटी और दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 64 रन बना लिए हैं और उसे 32 रनों की बढ़त हासिल हुई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय ओलंपिक दल को शुभकामनाएं दी

नई दिल्ली।

ओलंपिक दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को टोक्यो ओलंपिक में जाने वाले भारतीय दल को अपनी शुभकामनाएं दी। टोक्यो ओलंपिक का आयोजन पिछले साल होना था लेकिन इसे कोरोना महामारी के कारण 2021 तक के लिए स्थगित कर दिया गया था। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट कर कहा, आज ओलंपिक डे के अवसर पर मैं उन सभी की सराहना करता हूं जिन्होंने पिछले कई वर्षो से ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। देश को खेलों में खिलाड़ियों के योगदान और अन्य एथलीटों को प्रेरित करने के इनके प्रयासों पर गर्व है। उन्होंने कहा, पिछले कुछ सप्ताह में टोक्यो ओलंपिक की शुरूआत होनी है। मैं भारतीय दल को जिसमें बेहतरीन एथलीट शामिल हैं इसके लिए इन्हें अपनी शुभकामनाएं देता हूं। ओलंपिक से पहले माइ गॉव पर एक क्विज रखा गया है। मैं आप सभी से, विशेष रूप से अपने युवा दोस्तों से इसमें भाग लेने की अपील करता हूं। इस क्विज का लक्ष्य देश के लोगों में ओलंपिक के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।बयान में कहा, क्विज पिछले और वर्तमान ओलंपिक और एथलीटों पर आधारित होगी जिसमें कई विकल्पों के साथ प्रश्न पूछे जाएंगे और उपयोगकर्ता को सही विकल्प का चयन करना होगा। प्रत्येक गतिविधि के सफल समापन पर हर प्रतिभागी को एक ई-प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। कुछ भाग्यशाली विजेताओं को अपने पसंदीदा ओलंपियन से मिलने का मौका भी मिलेगा। टोक्यो ओलंपिक का आयोजन 23 जुलाई से आठ अगस्त तक होना है।

ओलंपिक की तैयारियों को टेस्ट करने विश्व कप में उतरेंगे भारतीय निशानेबाज

ओसिजेक।

अंतरराष्ट्रीय शूटिंग स्पोर्टस महासंघ (आईएसएसएफ) विश्व कप का यहां गुरूवार से आयोजन होगा जिसमें 15 भारतीय निशानेबाज ओलंपिक की तैयारियों को टेस्ट करने के इरादे से उतरेंगे। क्रोएशिया विश्व कप में राइफल, पिस्टल और शॉटगन इवेंट होंगे। भारत ने पिस्टल इवेंट में पांच, राइफल में आठ और स्कीट में दो ओलंपिक कोटा हासिल किए हैं। भारतीय निशानेबाज ओलंपिक की तैयारियों के लिए यूरोप गए थे जहां इन्होंने पिछले महीने यूरोपियन शूटिंग चैंपिनशिप में न्यूनतम क्वालीफिकेशनस्कोर वर्ग में हिस्सा लिया था। भारत की हाई परफॉरमेंस राइफल कोच दीपाली देशपांडे ने उस चैंपियनशिप में भारत के प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त किया था। दीपक कुमार, दिव्यांश सिंह पंवार, संजीव राजपूत, एश्वर्य प्रताप तोमर, अपूर्वी चंदेला, अंजुम मुद्गिल, एलावेनिल वलारिवान और तेजस्विनी सावंत ने राइफल शूटिंग इवेंट में ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया है। इनके अलावा अभिषेक वर्मा, सौरभ चौधरी, मनु भाकर, राही सर्नोबात और यशस्विनी सिंह पिस्टल इवेंट में जबकि अंगदवीर सिंह बाजवा और मायराज अहमद खान ने पुरुष स्कीट इवेंट में ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया है।

अंकिता विम्बलडन क्वालीफायर से बाहर, अमेरिका की वारवरा लेपचेंको ने हराया

लंदन । भारतीय टेनिस खिलाड़ी अंकिता रैना विम्बलडन महिला एकल के मुख्य ड्रॉ में प्रवेश नहीं कर सकी और क्वालीफायर के पहले ही दौर में हार गई। भारत की 28 वर्षीय रैना को अमेरिका की वारवरा लेपचेंको ने 6.3, 7.6 से हराया। पहले सेट में अपनी सर्विस बरकरार रखने में नाकाम रही रैना ने दूसरे सेट में दमदार वापसी की लेकिन टाइब्रेकर में टिक नहीं सकी। विश्व रैंकिंग में 182वें स्थान पर काबिज अंकिता को मैच में सिर्फ एक ब्रेक प्वाइंट मिला जो वह भुना नहीं सकी। पुरूष क्वालीफायर में भारत के रामकुमार रामनाथन दूसरे दौर में पहुंच गए लेकिन प्रजनेश गुणेश्वरन हारकर बाहर हो गए।

बांग्लादेश ने जिम्बाब्वे दौरे के लिए टेस्ट, वनडे और टी20 टीम की घोषणा की, इन्हें मिली जगह

स्पोर्ट्स डेस्क ।

बांग्लादेश ने जिम्बाब्वे के खिलाफ आगामी टेस्ट, वनडे और टी20 इंटरनेशनल सीरीज के लिए टीम की घोषणा कर दी है। बांग्लादेश ने टेस्ट के लिए ऑलराउंडर शाकिब अल हसन को शामिल किया है। उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने के लिए साल की शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट को छोड़ दिया था और हाल ही में ढाका प्रीमियर लीग में अंपायर पर अपना गुस्सा निकालने के बाद चर्चा में थे। बांग्लादेश को 7 जुलाई से एक टेस्ट, तीन वनडे और तीन टी20 इंटरनेशनल मैच खेलने हैं। चोटिल क्रिकेटरों तस्कीन अहमद, तमीम इकबाल और मुशफिकुर रहीम के दौरे के लिए समय पर फिट होने की उम्मीद है और इसलिए उन्हें शामिल किया गया है। रहीम हालांकि टी20 इंटरनेशनल सीरीज नहीं खेलेंगे जैसा कि उन्होंने पहले बोर्ड से अनुरोध किया था। वापसी करने वालों में विकेटकीपर नूरुल हसन ने सभी प्रारूपों में टीम में वापसी की है जबकि ऑफ स्पिनर नईम हसन ने टेस्ट टीम में वापसी की है। इस बीच, ऑलराउंडर सौम्या सरकार को महेदी हसन के साथ वनडे टीम से बाहर कर दिया गया है जबकि उनकी जगह रुबेल हुसैन और तैजुल इस्लाम को रखा गया है। इन सबके बीच टी20 इंटरनेशनल के लिए चुनी गई टीम में कई बदलाव हैं, जिसमें अनकैप्ड शमीम पटोवरी को अपना पहला कॉल मिला है। अमीनुल इस्लाम और शाकिब भी उम्मीद के मुताबिक मिक्स में लौट आए हैं। रहीम के अलावा, छह अन्य खिलाड़ियों ओसादेक हुसैन, नजमुल हुसैन, मोहम्मद मिथुन, अल-अमीन हुसैन, हसन महमूद, रुबेल हुसैन, मेहदी हसन को सबसे छोटे प्रारूप में चयन के लिए नहीं माना गया था। जहां तक दौरे का सवाल है तो मेहमान टीम तीन और चार जुलाई को 2 दिवसीय अभ्यास मैच खेलेगी। इसके बाद 7 जुलाई के एक टेस्ट के बाद वनडे सीरीज 16 जुलाई से शुरू होगी जबकि टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 23, 25 और 27 जुलाई को होंगे। सभी मैच हरारे में खेले जाएंगे।

इंग्लैंड का जो खिलाड़ी एशेज सीरीज पर नहीं जाना चाहता उसे मेरा समर्थन : पीटरसन

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व खिलाड़ी केविन पीटरसन का कहना है कि अगर इंग्लैंड का कोई खिलाड़ी अपने परिवार को छोड़े बिना एशेज सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया नहीं जाना चाहता, उनका वह समर्थन करते हैं। इंग्लैंड के खिलाड़ियों को इस साल नवंबर में एशेज सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया जाना है। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया में कोरोना प्रोटोकॉल के कारण वे अपने परिवार के सदस्यों को नहीं ले जा सकते हैं।पीटरसन ने ट्वीट कर कहा, इंग्लैंड के जो खिलाड़ी वाकई अपने परिवार को चार महीने तक नहीं देख पाएंगे वो अगर एशेज के लिए नहीं जाना चाहते तो उन्हें मेरा पूरा समर्थन है। खिलाड़ी के लिए परिवार सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है।इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर ने कहा, एशेज वापस लाना एक बड़ा चैलेंज है, विशेषकर तब जब आप अपने परिवार से दूर हों। कई खिलाड़ियों के छोटे बच्चे हैं जिनके लिए उनसे दूर रहना कठिन है। उम्मीद करता हूं कि इसका सकारात्मक समाधान निकलेगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुक्ता गिरी जैन सिद्ध क्षेत्र

जहां आज भी होती है केसर-चंदन की वर्षा

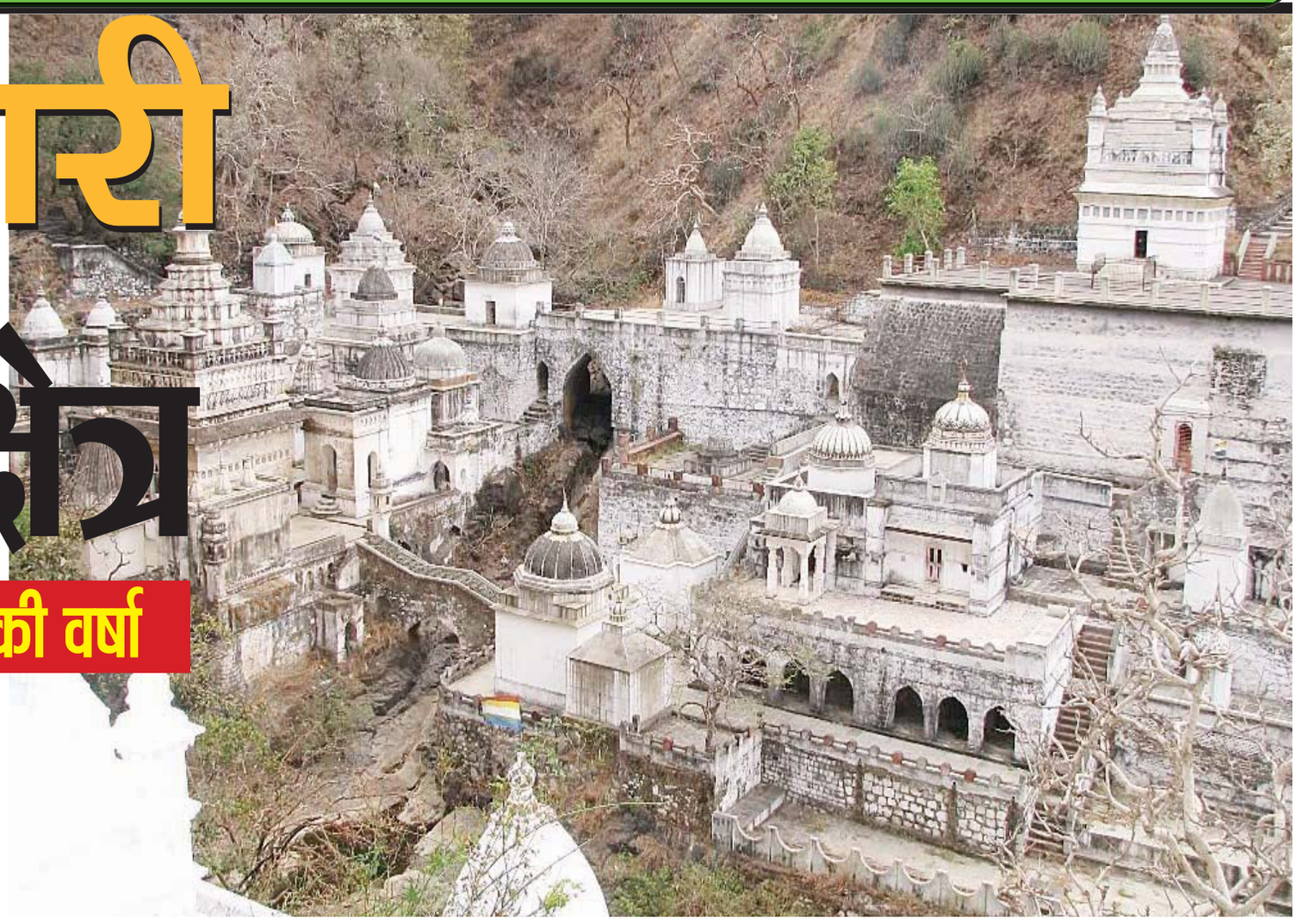

दिगंबर जैनियों का सिद्धक्षेत्र भारत के मध्य में, महाराष्ट्र तथा मध्यप्रदेश की सीमा पर स्थित है मुक्ता गिरी। मुक्ता गिरी मध्यप्रदेश के बैतूल जिले में आता है। सतपुड़ा पर्वत की श्रृंखला में मन मोहनेवाले घने हरे-भरे वृक्षों के बीच यह क्षेत्र बसा हुआ है। जहां से साढ़े तीन करोड़ मुनिराज मोक्ष गए हैं। इसीलिए कहा जाता है -

अचलापूर की दिशा ईशान तहां मेंढागिरी नाम प्रधान।

साढ़े तीन कोटी मुनीराय तिनके चरण नमु चितलाय।।

जहां 250 फुट की ऊंचाई से जलधारा गिरती है। जिससे जलप्रपात निर्मित हुआ है। निसर्ग के हरे-भरे उन दृश्यों एवं पहाड़ों को देखकर हर मन प्रफुल्लित हो जाता है। इस स्थान को मुक्तागिरी के साथ-साथ मेंढागिरी भी कहा जाता है।

मुक्ता गिरी का इतिहास : एलिचपूर यानी अचलपुर में स्थित मुक्ता गिरी सिद्धक्षेत्र को स्व. दानवीर नत्थुसा पासुसा कळमकर ने अपने साथी स्व. रायसाहेब रूखबसंगई तथा स्व. गेंदालालजी हीरालालजी बड़जात्या के साथ मिलकर अंग्रेजों के जमाने में खापर्डे के मालगुजारी से सन् 1928 में यह मुक्तागिरी पहाड़ मंदिरों के साथ खरीदा था। इस मुक्ता गिरी सिद्धक्षेत्र का इतिहास काफी रोमहर्षक है।

कहा जाता है कि उस समय शिकार के लिए पहाड़ पर जूते-चप्पल पहन कर जाते थे और जानवरों का शिकार करते थे। इसी वजह से, पवित्रता को ध्यान में रखते हुए यह पहाड़ खरीदा गया।

निर्वाण कांड में उल्लेख है कि इस क्षेत्र पर दसवें तीर्थंकर भगवान शीतलनाथ का समवशरण आया था। इसीलिए कहा जाता है कि मुक्ता गिरी पर मुक्ता बरसे। शीतलनाथ का डेरा। ऐसा उस वक्त मोतियों की वर्षा होने से इसे मुक्तागिरी कहा जाता है।

एक हजार वर्ष पूर्व मंदिर क्रमांक दस के पास ध्यान मग्न मुनिराज के सामने एक मेंढा पहाड़ की चोटी से गिरा। मुनिराज ने उसके कान में णमोकार मंत्र का उच्चारण किया। वह मेंढा मृत्यु के बाद स्वर्ग में देवगति प्राप्त होते ही मुनि महाराज के दर्शन को आया। तब से हर अष्टमी और चौदस को यहां केसर-चंदन की वर्षा होती है। इसी समय से इसे मेंढागिरी भी कहा जाता है।

जानिए धारकुंडी के सौंदर्य की महिमा

जहां पहाड़ों से बहती जल की धारा

कटनी-इलाहाबाद रेल मार्ग में सतना से 70 किलोमीटर दूर धारकुंडी में प्रकृति और अध्यात्म का अनुपम मिलन देखने को मिलता है। सतपुड़ा के पठार की विंध्याचल पर्वत श्रृंखलाओं में स्थित धारकुंडी में प्रकृति की अनुपम छटा देखने को मिलती है।

पर्वत की कंदराओं में साधना स्थल, दुर्लभ शैल चित्र, पहाड़ों से अनवरत बहती जल की धारा, गहरी खाईयां और चारों ओर से घिरे घनघोर जंगल के बीच महाराज सच्चिदानंद जी के परमहंस आश्रम ने यहां पर्यटन और अध्यात्म को एक सूत्र में पिरो कर रख दिया है। यहां बहुमूल्य औषधियां और जीवाश्म भी पाए जाते हैं। माना जाता है कि महाभारत काल में युधिष्ठिर और दक्ष का प्रसिद्ध संवाद यहीं के एक कुंड में हुआ था जिसे अघमर्षण कुंड कहा जाता है। यह कुंड भूतल से करीब 100 मीटर नीचे है।

धारकुंडी मूलतः दो शब्दों से मिलकर बना है। धार तथा कुंडी यानी जल की धारा और जलकुंड। विंध्याचल पर्वत श्रेणियों के दो पर्वत की संधियों से प्रस्फुटित होकर प्रवाहित होने वाली जल की निर्मल धारा यहां एक प्राकृतिक जलकुंड का निर्माण करती है।

समुद्र तल से 1050 फुट ऊपर स्थित धारकुंडी में प्रकृति का स्वर्गिक सौंदर्य आध्यात्मिक ऊर्जा का अक्षय स्रोत उपलब्ध कराता है। यहां जनवरी में जहां न्यूनतम तापमान 2 से 3 डिग्री रहता है वहीं अधिकतम तापमान 18 डिग्री रहता है। जून माह में न्यूनतम 20 डिग्री तथा अधिकतम तापमान 45 डिग्री रहता है।

योगिराज स्वामी परमानंद जी परमहंस जी के सान्निध्य में सच्चिदानंद जी ने चित्रकूट के अनुसूया आश्रम में करीब 11 वर्ष साधना की। इसके बाद सच्चिदानंद जी महाराज 1956 में यहां आए और अपनी आध्यात्मिक शक्ति से यहां के प्राकृतिक सौंदर्य को आश्रम के माध्यम से एक सार्थक रूप दिया। उनके आश्रम में अतिथियों के लिए रहने और भोजन की मुफ्त में उत्तम व्यवस्था है।

विशेष है कि महाराज जी अपने खेतों में उपजे अन्न से ही अपने आगंतुकों को भोजन कराते हैं। भागम-भाग भरे जीवन के बीच कुछ दिन यहां आकर व्यक्ति को अध्यात्म और शांति का अनुपम अनुभव हो सकता है।

प्रकृति प्रेमी आध्यात्मिक लोग मध्य प्रदेश के सतना से यहां आ सकते हैं। सतना से प्रतिदिन एक बस यहां जाती है। इसके अलावा सतना के बस स्टैंड में स्थित परमहंस आश्रम की शाखा से भी यहां जाने के लिए जानकारी मिल सकती है। घनघोर जंगल, पर्वतों और झरनों के बीच स्थित परमहंस आश्रम में साधना के लिए योगी पुरुषों का आवागमन होते रहता है।

यहां आकर जीवन ठहर सा जाता है। मन को सुकून मिलता है। यहां के प्राकृतिक सौंदर्य का तो कोई जवाब नहीं लेकिन सबसे महत्वपूर्ण है यहां का परमहंस आश्रम। पूज्य सच्चिदानंद जी के अध्यात्म ने धारकुंडी के सौंदर्य की महिमा को दैवीय बना दिया है। जिसका अनुभव प्रकृति प्रेमी व्यक्तियों को जरूर लेना चाहिए।

नर्मदा के उत्तरी तट पर बसा धाराजी

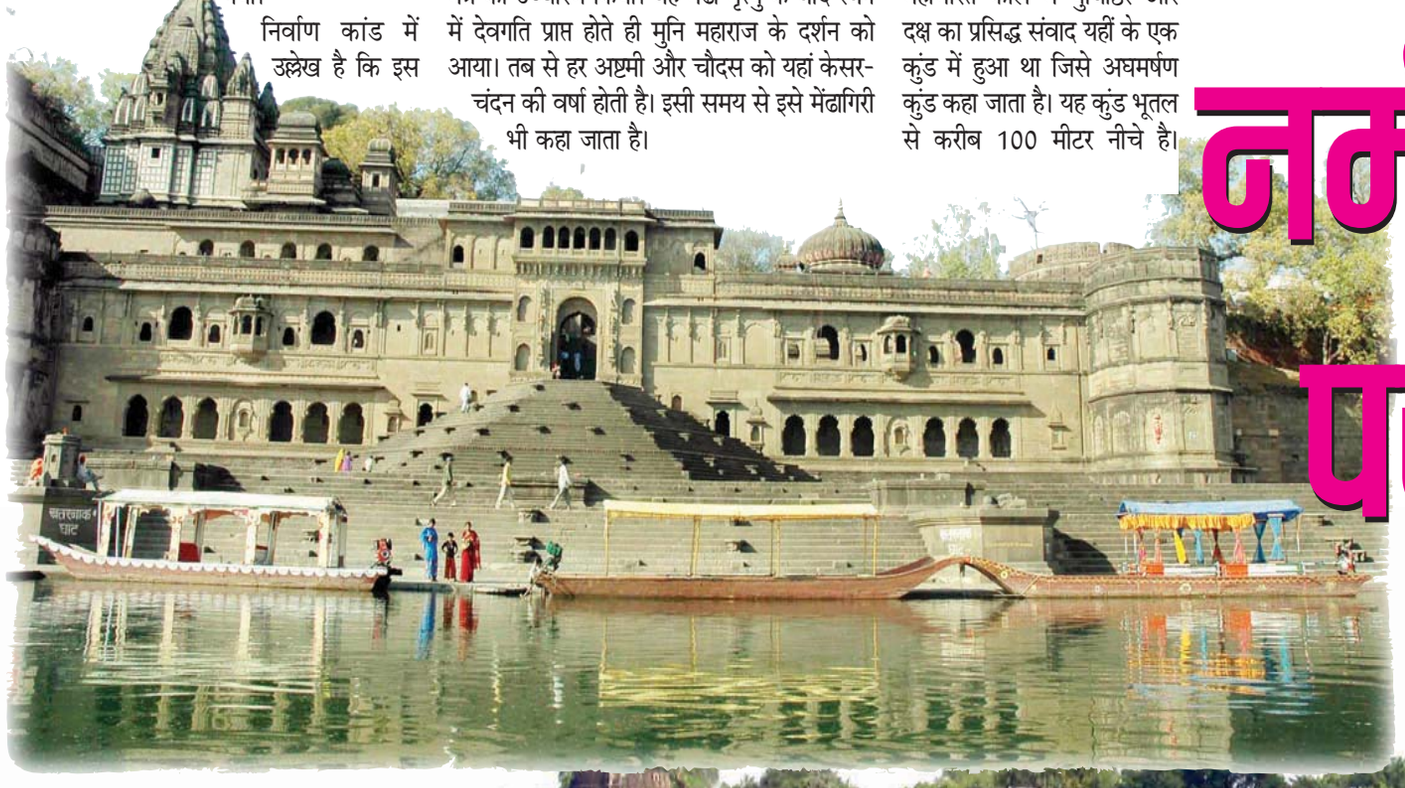

देश में काशी ज्ञानभूमि, वृंदावन प्रेमभूमि और नर्मदा तट को तपोभूमि माना जाता है। संत डोंगरेजी महाराज गंगा में स्थान करने, जमुना में आचमन करने और नर्मदा के दर्शन करने का समान फल मानते थे।

पौराणिक और दर्शनीय स्थल धावड़ी कुंड

मालवावासी जिसे धाराजी के नाम से जानते हैं, वह धावड़ी कुंड देवास जिले का महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है। यहां संपूर्ण नर्मदा 50 फुट से गिरती है, जिसके फलस्वरूप पत्थरों में 10-15 फुट व्यास के गोल (ओखल के आकार के) गड्ढे हो गए हैं। बहकर आए पत्थर इन गड्ढों में गिरकर पानी के सहारे गोल-गोल घूमते हैं, जिससे घिस-घिसकर ये पत्थर शिवलिंग का रूप ले लेते हैं।

ऐसा लगता है जैसे नर्मदा स्वयं अपने आराध्य देव को आकार देकर सतत उनका अभिषेक करती हो। इन्हें बाण या नर्मदेश्वर महादेव का नाम दिया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि धाराजी के स्वयंभू बाणों की प्राण-प्रतिष्ठा करना आवश्यक नहीं, ये स्वयंभू होकर प्राण-प्रतिष्ठित होते हैं।

इसी धाराजी पर चैत्र की अमावस पर मालवा, राजस्थान तथा निमाड़वासियों का प्रतिवर्ष एक बड़ा मेला लगता है, जिसमें लगभग लाखों श्रद्धालु हिस्सा लेते हैं।

नर्मदाजी का यह सबसे बड़ा जलप्रपात वन प्रदेश में स्थित है। जलप्रपात से उत्तर में लगभग 10 कि.मी. पर सीता वाटिका, जिसे सीता वन भी कहते हैं, में सीता मंदिर भी स्थित है।

कहा जाता है कि यहा महर्षि वाल्मीकि का आश्रम था और सीताजी ने यहां निवास किया था। यहां पर 64 योगिनियों और 52 भैरवों की विशाल मूर्तियां भी हैं। समीप ही सीताकुंड, रामकुंड और लक्ष्मणकुंड हैं।

सीताकुंड में हमेशा पेयजल उपलब्ध रहता है। सीता वाटिका से 16 कि.मी. पूर्व में कनेरी माता(जनश्रुति में जयंती माता) का मंदिर है, जिसकी तलहटी में कनेरी नदी बहती है, जिसमें विभिन्न रंगों की कनेर की झाड़ियां हैं।

यह स्थान पूर्णतः घने जंगल में से होकर यहां हिंसक पशुओं का वास भी है। सीतावाटिका से 6 कि.मी. की दूरी पर सीता खोह भी है, जिसके आसपास दुर्घटना से बचाव के लिए कंटीले तार लगा दिए गए हैं, जो इतनी गहरी है कि नीचे झांकने पर तलहटी नदी दिखाई देती है और पत्थर डालने पर आवाज नहीं आती है।

सीता वाटिका से लगभग 10 कि.मी. उत्तर में वनप्रदेश के रास्ते पोटला गांव (देवास जिला) से 1 कि.मी. की दूरी पर कावड़िया पहाड़ है।

जनश्रुति है कि महाभारतकाल में इस वन प्रदेश में पांडवों ने अज्ञातवास हेतु भ्रमण किया था और भीम ने 3 फुट व्यास के 10 से 30 फुट लंबी कॉलम-बीम आकार के लौह-मिश्रित पत्थर इकट्ठे किए थे, जो सात स्थानों पर सात पहाड़ियों के रूप में हैं। इन पहाड़ियों की ऊंचाई 40-45 फुट की है।

प्रसिद्ध पुरातत्वविद प्रो. वाकणकर ने भी पहाड़ियों के इन पत्थरों का अनुसंधान किया था। भीम का उद्देश्य इन पत्थरों से सात महल बनाने का रहा होगा, ऐसा माना जाता है। नर्मदा परिक्रमा करने वाले धावड़ीकुंड से चल कर इन पौराणिक और दर्शनीय स्थानों का भ्रमण करते हुए तरानीया, रामपुरा, बखतगढ़ होते हुए चौबीस अवतार जाते हैं।

पुरातत्व, पर्यावरण, वनभ्रमण की दृष्टि से कावड़िया पहाड़, कनेरी माता, सीताखोह और धावड़ीकुंड (धाराजी) आकर्षण का केंद्र हैं, वही विहंगम दृश्यावलियों से पूर्ण पर्यटन स्थल है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

हांगकांग का लोकतंत्र समर्थक अखबार एप्पल डेली को किया जाएगा बंद

हांगकांग। हांगकांग का लोकतंत्र समर्थक अखबार 'एप्पल डेली' इस सप्ताहांत तक बंद हो जाएगा। अखबार के पांच संपादकों और कार्यकारी अधिकारियों की गिरफ्तारी तथा अखबार से जुड़ी 23 लाख डॉलर की संपत्ति जब्ती के बाद यह फैसला लिया गया है। निदेशक मंडल ने बुधवार को एक बयान में कहा कि ''हांगकांग में मौजूदा परिस्थितियों'' के कारण उसका प्रिंट संस्करण और ऑनलाइन संस्करण शनिवार तक बंद हो जाएगा। पिछले हफ्ते हुई गिरफ्तारियों के बाद यह कदम उठाया गया है। पांच संपादकों और कार्यकारियों को राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने के लिए विदेशियों से मिलीभगत के संदेह में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने हांगकांग तथा चीन पर विदेशी प्रतिबंध लगाने की कथित साजिश के सबूत के तौर पर अखबार द्वारा प्रकाशित 30 से अधिक लेखों का हवाला दिया। निदेशक मंडल ने इस हफ्ते हांगकांग के सुरक्षा ब्यूरो को पत्र लिखकर उसकी कुछ निधि जारी करने का अनुरोध किया था ताकि कंपनी वेतन दे सके। एप्पल डेली के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई का अमेरिका, यूरोपीय संघ और ब्रिटेन ने आलोचना की और कहा कि हांगकांग तथा चीनी प्राधिकारी शहर की स्वतंत्रता को निशाना बना रहे हैं।

एक रिपोर्ट में खुलासा, म्यांमार सेना के दुष्प्रचार को बढ़ावा देता है फेसबुक!

वाशिंगटन। अधिकार समूह ग्लोबल विटनेस की एक नयी रिपोर्ट के अनुसार फेसबुक सैन्य दुष्प्रचार और अन्य सामग्री को बढ़ावा देता है जो म्यांमार में फरवरी में सेना द्वारा तख्तापलट करने के बाद कंपनी की खुद की नीतियों का उल्लंघन है। मंगलवार को प्रकाशित इस रिपोर्ट में कहा गया है कि म्यांमा में सेना के सत्ता पर कब्जा जमाने और निर्वाचित नेताओं को कैद करने के एक महीने बाद भी फेसबुक एल्गोरिदम उपयोगकर्ताओं को सैन्य समर्थक पेजों के साथ ही उन पोस्ट्स को देखने और ''लाइक'' करने के लिए बढ़ावा दे रहा था जो हिंसा को भड़काते हैं, भ्रामक सूचना देते हैं, सेना की प्रशंसा करते हैं और उसके अत्याचारों का महिमामंडन करते हैं। फेसबुक एल्गोरिदम पोस्ट के क्रम और प्रस्तुति को नियंत्रित करता है ताकि उपयोगकर्ता यह देख सकें कि उनके लिए सबसे ज्यादा प्रासंगिक क्या है। फेसबुक ने तख्तापलट के बाद यह घोषणा की थी कि वह अपनी साइट और अपने मालिकाना हक वाले इंस्टाग्राम से म्यांमा सेना और सेना द्वारा नियंत्रित पेजों को हटाएगी। इसके बावजूद ऐसा नहीं किया गया। उसने मंगलवार को कहा कि उनकी टीम ''म्यांमा में स्थिति पर करीबी नजर रख रही है और हमारे नियमों का उल्लंघन करने वाले किसी भी पोस्ट, पेज या समूह पर कार्रवाई करती है।'' पूर्व फेसबुक डेटा वैज्ञानिक सोफी झांग ने कहा, ''एक बार फिर फेसबुक ने दिखाया कि वह भारी भरकम घोषणाएं करने में अच्छा और उन्हें असल में लागू करने के मामले में खराब है। उनके पास म्यांमा में अपने काम में सुधार लाने के लिए कई साल थे लेकिन एक बार फिर वे नाकाम हो रहे हैं।'' म्यांमा में जनवरी 2020 में 2.23 करोड़ से अधिक फेसबुक उपयोगकर्ता थे जो उसकी आबादी के 40 प्रतिशत से अधिक संख्या है।

अमेरिका: कोरोना वैक्सीन लगाने से इनकार करने वाले 150 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

डलास (अमेरिका)। अमेरिका में ह्यूस्टन के एक अस्पताल में कोविड-19 रोधी टीके लगवाने से इनकार करने वाले 150 से अधिक कर्मचारियों को या तो प्रशासन ने निकाल दिया या उन्होंने इस्तीफा दे दिया है। एक न्यायाधीश ने टीके की आवश्यकता पर कर्मचारी की ओर से दायर मुकदमे को खारिज कर दिया था, जिसके बाद ये कदम उठाए गए। 'ह्यूस्टन मेथोडिस्ट' अस्पताल के एक प्रवक्ता ने बताया कि 153 कर्मचारियों ने दो सप्ताह की निलंबन अवधि में या तो इस्तीफा दे दिया या मंगलवार को उन्हें निकाल दिया गया। कोरोनो वायरस के खिलाफ मरीजों और अन्य लोगों की सुरक्षा के लिए स्वास्थ्य देखभाल संस्थान क्याकर सकते हैं, इस संदर्भ में मामले को करीब से देखा गया है। ऐसा माना जा रहा है कि अमेरिका में इस तरह का यह पहला मामला है, लेकिन इस पर चर्चा अभी समाप्त नहीं हुई है। इस महीने की शुरुआत में, एक संघीय न्यायाधीश ने टीकाकरण की आवश्यकता को लेकर 117 कर्मचारियों की ओर से दायर मुकदमे को खारिज कर दिया था। अमेरिकी जिला न्यायाधीश लिन ह्यूजेस ने 12 जून को मुकदमा खारिज करते हुए कहा था कि मुकदमे में टीके के प्रयोगात्मक तथा खतरनाक होने के दावे गलत हैं। अगर उसके कर्मचारियों को यह मंजूर नहीं है तो वे कहीं और काम कर सकते हैं। अमेरिका में सबसे पहले ह्यूस्टन अस्पातल प्रणाली ने ही अप्रैल में कर्मचारियों को टीका लगवाने का निर्णय किया था।

पेरु के तटीय इलाके में 5.8 तीव्रता का भूकंप, किसी नुकसान की खबर नहीं

लीमा (पेरु)। पेरु के केंद्रीय तट पर मंगलवार देर रात 5.8 तीव्रता का भूकंप आया जिससे राजधानी के कुछ निवासियों को अपने हिलते घरों या इमारतों से बाहर भागना पड़ा। किसी तरह के नुकसान की फिलहाल कोई खबर नहीं मिली है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने कहा कि भूकंप का केंद्र कानेते प्रांत स्थित माला के पश्चिम-दक्षिण पश्चिम में था और इसकी गहराई 50 किलोमीटर थी। भूकंप के झटके राजधानी लीमा में महसूस किए गए और इसके असर से कुछ चट्टानें शहर के प्रशांत तट वाले हिस्से पर सड़क पर गिर गईं लेकिन अधिकारियों ने किसी बड़े नुकसान की जानकारी नहीं दी है। पेरु में अकसर भूकंप आते हैं क्योंकि यह प्रशांत क्षेत्र के कथित 'रिंग ऑफ फायर' में पड़ता है।

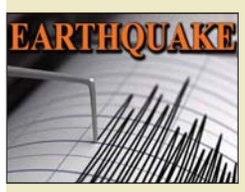

भारत, जी 4 गठबंधन ने सुरक्षा परिषद सुधारों पर यूएनजीए को निर्णय में संशोधन के लिए बाध्य किया

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

भारत और उसके जी 4 सहयोगियों ने महासभा के अध्यक्ष वोल्कन बोजकिर को एक बैठक के दौरान अगले महासभा की बैठक के लिए सुरक्षा परिषद सुधार वार्ता शुरू करने के निर्णय में संशोधन को स्वीकार करने के लिए मजबूर कर दिया है। इस मसले पर वह और जर्मनी के स्थायी प्रतिनिधि क्रिस्टोफ ह्युजेन खुले तौर पर कूटनीति की सभ्य शैली को छोड़ने के लिए भिड़ गए थे।

चूंकि महासभा सुधार प्रक्रिया पर आगे बढ़ने में विफल रही, अंतर सरकारी वार्ता (आईजीएन) चुपचाप अगले सत्र के एजेंडे से टकरा गई। हालांकि इस बार मंगलवार को जी 4 इस मुद्दे को चर्चा के लिए खुले में लाने में सफल रहा और सुधार प्रक्रिया को फिर से जीवंत करने के लिए विश्व नेताओं के आह्वान को प्रतिबिंबित करने के लिए निर्णय में संशोधन किया गया। भारत के स्थायी प्रतिनिधि टी.एस. तिरुमूर्ति ने घोषणा की, इस संशोधित रोलओवर निर्णय के साथ आईजीएन को अब स्मोक स्क्रीन के रूप में उपयोग नहीं किया जा सकता है। यह संभवत पहली बार था जब रोलओवर निर्णय पर चर्चा और संशोधन किया गया है। राजनयिक सूत्रों ने आईएएनएस को बताया कि यह विकास एक सफलता है क्योंकि यह पहली बार संयुक्त राष्ट्र के आधिकारिक रिकॉर्ड में सुधारों और विभिन्न रुखों पर चर्चा करता है। जी 4 चाहता था कि सुरक्षा परिषद

के सुधार पर चर्चा में नया जीवन स्थापित करने के लिए दुनिया के लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाले राष्ट्राध्यक्षों और सरकार के प्रमुखों की प्रतिबद्धता की पुष्टि करें। ये शब्द सितंबर में संयुक्त राष्ट्र की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में राष्ट्राध्यक्षों और सरकार द्वारा अपनाई गई घोषणा से सीधे लिए गए है। कई देशों के संशोधन के लिए जी 4 की मांग के समर्थन में, कतर के स्थायी प्रतिनिधि अल्या बिन्त अहमद अल थानी, जो आईजीएन के सह अध्यक्ष भी हैं, उन्होंने औपचारिक रूप से आम सहमति के माध्यम से इसे स्वीकार करने का प्रस्ताव रखा। इस बीच, राजनयिक सूत्रों ने आईएएनएस को बताया, अल थानी ने जी 4 संशोधन प्रस्ताव पर परामर्श की सुविधा प्रदान की और अधिकांश देशों ने इसका समर्थन किया, जिससे विश्व नेताओं के आह्वान को शामिल करने के लिए आम सहमति बन गई। जल्द ही जर्मनी के स्थायी प्रतिनिधि का पद छोड़ने जा रहे ह्युसगेन स्थायी सदस्यता बढ़ाने के लिए सुधारों का विरोध कर रहे हैं। पिछले हफ्ते बैठक में मामले व्यक्तिगत हो गए जब हेसजेन ने बोजकिर पर विधानसभा अध्यक्ष के रूप में तटस्थ रहने के बजाय सुधारों पर अपने देश, तुर्की का पक्ष लेने का आरोप लगाया। तुर्की एक सदस्य है, पाकिस्तान और इटली के साथ, यूनाइटिंग फॉर सर्वसम्मति (यूएफसी) के रूप में जाना जाता है, जो परिषद की स्थायी सदस्यता के विस्तार का विरोध कर रहा है और सुधारों को रोकने के लिए प्रक्रियात्मक उपायों का सफलतापूर्वक उपयोग कर रहा है। हेसजेन ने कहा कि यह एक समूह की स्थिति का प्रतिनिधित्व करने के लिए महासभा के अध्यक्ष का कार्य नहीं है। राजनयिक सूत्रों के अनुसार, चीन ने अपने सहायता कार्यक्रमों के माध्यम से सुधारों का विरोध करने के लिए देशों पर दबाव डाला है।

श्रीलंका के पूर्व प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने रिकॉर्ड 9वीं बार सांसद के रूप में शपथ ली

कोलंबो। (एजेंसी)।

श्रीलंका के पूर्व प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने बुधवार को देश की राजनीति में इतिहास रचते हुए लगातार नौवीं बार सांसद के तौर पर शपथ ली। वह वर्ष 1977 के बाद से लगातार संसद पहुंचने वाले देश के पहले नेता बन गए हैं। विक्रमसिंघे यूनाइटेड नेशनल पार्टी (यूएनपी) का वर्ष 1994 से नेतृत्व कर रहे हैं। हालांकि, उनकी पार्टी को वर्ष 2020 के संसदीय चुनाव में तगड़ा झटका लगा था और उसे करारी हार का सामना करना पड़ा था।

उस समय विक्रमसिंघे की यूएनपी को मात्र दो फीसदी वोट मिले थे जबकि पार्टी से टूटकर अलग हुए धड़े समागी जन बालावेग्या ने 40 सीट जीतकर प्रमुख विपक्षी पार्टी के तौर पर जगह बनायी। चार बार श्रीलंका के प्रधानमंत्री रहे विक्रमसिंघे अगस्त 2020 के संसदीय चुनाव में हार गए थे और राष्ट्रीय स्तर पर पड़े मतों के आधार पर नियुक्त होने वाले सदस्यों की सूची में यूएनपी के खाते में आयी सीट के जरिए विक्रमसिंघे संसद पहुंचे हैं। शपथग्रहण के बाद 72 वर्षीय विक्रमसिंघे ने देश की वर्तमान आर्थिक समस्याओं के लिए राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे और प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे की सरकार को जिम्मेदार ठहराया।

ईरान के परमाणु संयंत्र पर हुए हमले को किया गया नाकाम, सरकारी मीडिया का दावा

तेहरान। ईरान में सुरक्षा सेवाओं की करीबी समाचार वेबसाइट ने कहा कि अधिकारियों ने देश के असैन्य परमाणु कार्यक्रम को ''नुकसान पहुंचाने वाले हमले' को नाकाम कर दिया। हालांकि, इस बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी गई। ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की करीबी मानी वाली वेबसाइट नूर न्यूज ने बुधवार को खबर दी कि भवन को किसी तरह का नुकसान होने से पहले ही हमले को नाकाम कर दिया गया। मामले की जांच जारी है। ईरान के एक अधिकारी से जब नूर न्यूज की खबर के बारे में पूछा गया तो अधिकारी ने कहा कि उन्हें मीडिया के साथ इस मुद्दे पर बात करने का अधिकार नहीं है। ईरान की अर्ध सरकारी समाचार एजेंसी इसना ने कहा कि यह भवन राजधानी तेहरान के पश्चिम में लगभग 40 किलोमीटर दूर काराज शहर में स्थित है। सरकार के स्वामित्व वाले समाचार पत्र ईरान की वेबसाइट पर भी ऐसी ही खबर प्रकाशित की गई है। हालांकि इसमें भी स्थान और अन्य जानकारियां साझा नहीं की गई हैं।

चीन का स्पेश मिशन! राष्ट्रपति शी ने तीनों यात्रियों से की बात, मिशन को बताया- मील का पत्थर

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने चीनी अंतरिक्ष स्टेशन में तैनात तीन यात्रियों से बुधवार को बात की और कहा कि यह परियोजना देश के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष अन्वेषण कार्यक्रम में मील का पत्थर है। चीन के तीन अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर गत बृहस्पतिवार को गोबी मरूस्थल से रवाना होने के कुछ ही घंटों बाद एक चीनी अंतरिक्ष यान देश के निर्माणाधीन अंतरिक्ष स्टेशन पर सफलतापूर्वक पहुंच गया। इस घटनाक्रम को अंतरिक्ष शक्ति बनने की चीन की महत्वाकांक्षी कोशिश में एक बड़ी सफलता के तौर पर देखा जा रहा है। चाइना मैन्ड स्पेस एजेंसी (सीएमएसए) के मुताबिक, शेनोझाउ-12 अंतरिक्ष यान गत बृहस्पतिवार को दोपहर में अंतरिक्ष स्टेशन के कोर मॉड्यूल तियान्हे से सफलतापूर्वक जुड़ गया।

सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के प्रमुख शी ने 'बीजिंग एयरोस्पेस कंट्रोल सेंटर' से अंतरिक्ष यात्रियों नी हैशेंग, लियू बोमिंग और टैंग होंगबो से बात की।

इसका सरकारी टीवी चैनलों पर सीधा प्रसारण किया गया। अंतरिक्ष यात्रियों के साथ पहले प्रत्यक्ष संपर्क में शी ने उनसे पांच मिनट बात की और अंतरिक्ष में उनके योगदान के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। यह दर्शाता है कि चीनी नेतृत्व देश की अंतरिक्ष अन्वेषण परियोजना को कितना महत्व देता है। उन्होंने कहा, ''आप अंतरिक्ष में तीन महीने रहेंगे, जबकि अंतरिक्ष में आपका काम और आपका जीवन चीनी लोगों के दिल में रहेगा।'' हांगकांग स्थित 'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट' की खबर के अनुसार, शी ने कहा ''हमारे अपने अंतरिक्ष स्टेशन की स्थापना एक मील का पत्थर है और यह अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण उपयोग में मानवता के लिए एक महत्वपूर्ण योगदान है।'' तीनों अंतरिक्ष यात्रियों ने शी को सलामी दी और उन्हें मिल रहे समर्थन के लिए देश को धन्यवाद दिया। तीनों अंतरिक्ष यात्री सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) के सदस्य हैं।

लाहौर में हाफिज सईद के घर के पास विस्फोट, 2 लोगों की मौत, 15 से ज्यादा घायल

लाहौर। (एजेंसी)।

लाहौर के जोहर कस्बे में बुधवार को हुए भीषण बम विस्फोट में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार, जोहर शहर में अल्लाह हू बुलेवार्ड के पास एक पुलिस चेक-पोस्ट के पास विस्फोटक से लदी एक गाड़ी में विस्फोट हो गया। विस्फोट इतना भीषण था कि आसपास की कई इमारतों में दरारें आ गईं, जबकि इलाके में खड़े कई घरों और वाहनों के शीशे टूट गए। आधिकारिक सूत्रों ने पुष्टि की कि घायलों में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं, जिन्हें पास के अस्पतालों में ले जाया गया है। स्थानीय लोगों से रक्तदान करने के लिए अस्पतालों का दौरा करने का आग्रह किया गया है। घायलों में पुलिस अधिकारी भी शामिल हैं, जिनका इलाज नजदीकी अस्पतालों में चल रहा है। इनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है, जबकि

आतंकवाद निरोधी विभाग के अधिकारी विस्फोट के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। पंजाब पुलिस के महानिरीक्षक इनाम गनी ने कहा, हम जांच करने के बाद ही कारण का पता लगा पाएंगे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विस्फोट बहुत जोरदार था। हालांकि, कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने दावा किया कि विस्फोटक एक मोटरसाइकिल पर रखा गया था। विस्फोटक ले जा रहे वाहन का निशाना मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद का आवास रहा होगा, जिसका घर उसी इलाके में है। जिस सुरक्षा जांच चौकी के पास विस्फोट हुआ, वह हाफिज सईद के आवास के नजदीक है। गनी ने कहा कि हमलावरों के निशाने पर सुरक्षा अधिकारी लग रहे हैं। इस बीच पंजाब के मुख्यमंत्री उस्मान बुजदार ने विस्फोट पर संज्ञान लिया है और आईजी को मामले की जांच कर प्राथमिकता के आधार पर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। बुदजार ने कहा, विस्फोट के लिए जिम्मेदार लोगों को कानून के दायरे में लाया जाना चाहिए। इस बीच, गनी ने कहा कि इस तरह के आतंकी हमलों में हमेशा कोई विदेशी हाथ मौजूद होता है। विदेशी एजेंसियां सुरक्षा अधिकारियों को निशाना बनाने और डर फैलाने की कोशिश कर रही हैं, आतंकवाद के खिलाफ चल रही लड़ाई को हराने में सफल नहीं होंगी।

भारतीय कंपनी कोवैक्सीन टीके खरीदने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय के सौदे की जांच कर रहा है ब्राजील

रियो डी जिनेरियो। (एजेंसी)।

ब्राजील का संघीय अभियोजक कार्यालय भारतीय कंपनी 'भारत बायोटेक' द्वारा निर्मित कोवैक्सीन टीके की दो करोड़ खुराक खरीदने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से किए गए अनुबंध में संभावित अनियमितताओं की जांच कर रहा है। अटॉर्नी जनरल के प्रेस कार्यालय द्वारा 'द एसोसिएटेड प्रेस' को भेजे गए एक दस्तावेज के अनुसार, समझौते के तहत मंत्रालय को ब्राजील में भारत बायोटेक के प्रतिनिधि प्रेसिसा मेडिकैमेंटोस को टीके की हर खुराक के लिए 15 डॉलर की कीमत चुकाने के अनुसार 32 करोड़ डॉलर का भुगतान करना होगा। इस समझौते पर फरवरी में हस्ताक्षर किए गए थे। दस्तावेज के मुताबिक यह प्रति खुराक कीमत अन्य कोविड-19 टीकों की तुलना में अधिक है। इसके अलावा मंत्रालय के अधिकारियों ने संघीय सरकार के साथ पिछले अनुबंधों में प्रेसिसा सहयोगियों द्वारा की गई कथित अनियमितताओं की अनदेखी की।

इन बातों ने अभियोजकों का ध्यान खींचा। प्रेसिसा ने एक बयान में कहा कि ब्राजील के स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ टीके की जिस कीमत पर सहमति बनी है, वह 13 अन्य देशों के साथ

बातचीत से तय हुई कीमत के समान है और इस सौदे में ''सभी औपचारिक मार्गों का पालन किया गया और इसे पारदर्शी तरीके से किया गया''। संघीय अभियोजक लुसियाना लौरेइरो ओलिवीरा ने 16 जून को हस्ताक्षरित एक दस्तावेज में कहा कि तीन साल पहले प्रेसिसा के सहयोगियों ने एक अन्य कंपनी के माध्यम से स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ उन दवाओं की बिक्री के लिए अनुबंध किया था जो कभी वितरित नहीं की गईं। ओलिवेरा ने लिखा कि मंत्रालय ने भारत बायोटेक के टीके के लिए एक खरीद अनुबंध पर हस्ताक्षर किए, जबकि इसे ब्राजील की स्वास्थ्य एजेंसी अंविसा द्वारा अनुमोदित नहीं किया गया है और पहले से स्वीकृत अन्य टीके कम कीमतों पर बाजार में थे।

अमेरिका ने ईरानी समाचार आउटलेट के उपयोग वाली वेबसाइटों को जब्त किया

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका ने मंगलवार को ईरानी न्यूज आउटलेट्स द्वारा प्रतिबंधों के उल्लंघन के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दर्जनों वेबसाइटों को जब्त कर लिया।

न्याय विभाग ने बयान में कहा, आज, अदालत के आदेशों के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका ने ईरानी इस्लामिक रेडियो और टेलीविजन यूनियन (आईआरटीवीयू) द्वारा उपयोग की जाने वाली 33 वेबसाइटों और कातिब हिजबुल्लाह (केएच) द्वारा संचालित तीन वेबसाइटों को अमेरिकी प्रतिबंधों का उल्लंघन करते हुए जब्त कर लिया। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, बयान में कहा गया है कि इराक में सक्रिय शिया मिलिशिया समूह, आईआरटीवीयू और केएच दोनों को

अमेरिकी सरकार द्वारा नामित किया गया था और बिना लाइसेंस के अमेरिका में वेबसाइट और डोमेन सेवाएं प्राप्त करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। ईरानी राज्य के स्वामित्व वाले समाचार चैनल प्रेस टीवी और अल-आलम की वेबसाइटें अवरुद्ध होने वालों में से थीं, जबकि दोनों ईरानी डोमेन का उपयोग करके दिन में बाद में फिर से चल रही हैं। यह कदम ईरान के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति इब्राहिम राईसी द्वारा ईरान के खिलाफ सभी अन्यायपूर्ण प्रतिबंधों को उठाने के लिए अमेरिका से अनुरोध करने के एक दिन बाद आया और राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ बैठक से इनकार कर दिया। वाशिंगटन और तेहरान ने अप्रैल से ऑस्ट्रिया की राजधानी वियना में अप्रत्यक्ष वार्ता की है, जिसका उद्देश्य ईरान परमाणु समझौते को बहाल करना है, जिसे औपचारिक रूप से संयुक्त व्यापक कार्य योजना (जेसीपीओए) के रूप में जाना जाता है। छह दौर की बातचीत के बाद भी दोनों पक्ष इस मुद्दे पर बंटे हुए हैं। अमेरिकी सरकार मई 2018 में जेसीपीओए से हट गई और ईरान पर एकतरफा प्रतिबंध लगा दिए। इसके जवाब में, ईरान ने मई 2019 से अपनी जेसीपीओए प्रतिबद्धताओं के कुछ हिस्सों को धीरे-धीरे निलंबित कर दिया।

कौन है किरण आहूजा जो अमेरिकी कार्मिक प्रबंधन कार्यालय का नेतृत्व करेंगी

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने कार्मिक प्रबंधन कार्यालय के प्रमुख के तौर पर भारतीय-अमेरिकी किरण आहूजा के नाम की पुष्टि करने के लिए अपना महत्वपूर्ण वोट डाला। आहूजा के नामांकन पर विभाजित सीनेट में बराबरी की स्थिति को तोड़ने के लिए हैरिस का वोट अहम रहा। कार्मिक प्रबंधन कार्यालय एक संघीय एजेंसी है जो देश के 20 लाख से अधिक लोक सेवकों का प्रबंधन करती है। अमेरिकी वकील एवं कार्यकर्ता आहूजा (49) अमेरिका सरकार में इस शीर्ष पद पर काबिज होने वाली पहली भारतीय-

अमेरिकी हैं। सीनेट में 50-50 मतों की स्थिति के बाद हैरिस ने मंगलवार को आहूजा के पक्ष में वोट डालने की घोषणा की। हैरिस ने कहा, ''सीनेट के समान रूप से विभाजित होने पर उपराष्ट्रपति सकारात्मक मतदान करती हैं।'' इसके साथ ही उपराष्ट्रपति के तौर पर यह हैरिस का इस साल का छठा मत है जो उन्होंने बराबरी की स्थिति को तोड़ने के लिए डाला है। सीनेटर डायने फिनस्टीन ने कहा कि आहूजा को जन सेवा और परोपकारी क्षेत्र में दो दशक से अधिक का अनुभव हासिल है जिसमें पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के प्रशासन में कार्मिक प्रबंधन कार्यालय में एक वरिष्ठ भूमिका भी शामिल है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सांस्कृतिक समिति के सदस्यों को दोपहर का भोजन नहीं मिलने से अध्यक्ष खफा

• समिति पुस्तकालय, सामुदायिक भवन का भ्रमण करने निकली
•"हमारे पास अब खर्च करने का अधिकार नहीं है," अधिकारियों ने अध्यक्ष से कहा

क्रांति समय दैनिक

सुरत, सुरत महानगर पालिका के सांस्कृतिक समिति के सदस्य घूमने गए तो नगर पालिका के अधिकारियों द्वारा भोजन की व्यवस्था नहीं करने से समिति के अध्यक्ष नाराज हो गए। अधिकारियों ने सरकार से यह भी कहा, ''अभी हमारे पास खर्च करने की ताकत कहां है?''

अठवा जोन क्षेत्र के वीर नर्मद पुस्तकालय व विभिन्न सामुदायिक भवन में मंगलवार सुबह 11 बजे सांस्कृतिक समिति का दौर निर्धारित था. राउंड टेकिंग सांस्कृतिक समिति की अध्यक्ष पूर्णिमा डावले ने अधिकारियों को समिति के सदस्यों के लिए भोजन की व्यवस्था करने के निर्देश दिए.

हालांकि, अध्यक्ष पूर्णिमा डावल उस समय नाराज हो गए जब अधिकारी ने कहा कि वह 1,000 रुपये से अधिक खर्च नहीं कर सकते क्योंकि उनके पास खर्च करने की सत्ता (अधिकार क्षेत्र) में नहीं है। तो जब अधिकारियों ने आखिरकार भोजन की व्यवस्था की, तो क्या उन्होंने ऐसी जगह भोजन की व्यवस्था की? हमारी कोई हैसियत है या नहीं? वह नाराज था। इस संबंध में अध्यक्ष पूर्णिमा दावाले ने कहा कि अन्य समितियों में राउंड के दौरान भोजन की व्यवस्था की जाती है. ताकि सदस्यों की व्यवस्था की जा सके। इस संबंध में मेयर और सत्तारूढ़ दल के नेता से शिकायत की गई है।

उल्लेखनीय है कि स्थायी समिति ने हाल ही में अधिकारियों से व्यय की शक्ति छीन ली है, अब ऐसा लगता है कि केवल सत्ताधारी दल के पदाधिकारियों को व्यय की सत्ता छीनने में परेशानी हो रही है. खर्च करने की शक्तिछीने जाने को लेकर नगर निगम अधिकारियों में भी छिपी नाराजगी है। परोक्ष रूप से अधिकारी भी शासकों को सत्ता की याद दिलाते हैं।

26 साल से गुजरात में सत्तारूढ़ भाजपा सरकार ने राज्य में एक भी यूनिवर्सिटी की स्थापना नहीं की

गुजरात में 70 फीसदी लड़कियां कक्षा 12 के बाद पढ़ाई छोड़ने को मजबूर : मोढवाडिया

क्रांति समय दैनिक

गुजरात प्रदेश कांग्रेस नेता अर्जुन मोढवाडिया ने आज कहा कि राज्य में 100 में से 70 लड़कियां कक्षा 12 के बाद पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हैं। पिछले 26 साल से गुजरात में सत्तारूढ़ भाजपा सरकार ने राज्य में एक भी यूनिवर्सिटी की स्थापना नहीं की। हर साल प्रवेशोत्सव, गुणोत्सव और बालिका शिक्षा के नाम पर नौटंकियां की जाती हैं, परंतु तहसील सेंटरों में कॉलेज जैसी उच्च शिक्षा के लिए संस्था नहीं बनाई जातीं। राज्य के बड़े शहरों में अपने करीबियों की निजी कॉलेजों को आर्थिक लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से सरकारी कॉलेजें शुरू नहीं की जा रहीं। जिसकी वजह से हमारी बेटियां आगे की पढ़ाई नहीं कर पातीं। अर्जुन मोढवाडिया ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में कक्षा 12 के पश्चात ड्रोप आउट रेसियो में गुजरात की सबसे खराब स्थिति है। केरल में ड्रोप आउट रेसियो केवल 4.4 प्रतिशत है। जम्मू-कश्मीर में 20.5 प्रतिशत, महाराष्ट्र में 33.1 प्रतिशत, कर्नाटक में 39.6 प्रतिशत और गुजरात में 70.8 प्रतिशत है।

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

मोढवाडिया ने कहा कि गुजरात में शिक्षा के व्यापारीकरण को बंद कर सरकारी शैक्षिक संस्थाओं की संख्या और शिक्षा स्तर सुधारने के लिए भाजपा सरकार को सत्ता से हटाना पड़ेगा।

हिन्दू युवक से शादी करने वाली मुस्लिम युवती ने मांगी पुलिस सुरक्षा

क्रांति समय दैनिक

आणंद, खंभात में हिन्दू युवक से शादी करने वाली मुस्लिम युवती ने अपने पति समेत परिवार को जान का खतरा होने की दहशत व्यक्त करते हुए पुलिस से सुरक्षा की मांग की है। युवती के आरोप है कि उसके मायके वाले उसे पति से अलग करने के लिए हिंसक प्रयास कर रहे हैं। युवती ने इस संदर्भ में आणंद जिला पुलिस अधीक्षक को लिखित में शिकायत की है। खंभात के जूनी मंडाई स्थित सैयदवाडा में रहनेवाली फरमीनबानु नामक युवती ने लिखा है कि वह 20 वर्ष की है और उसने अपनी मर्जी से उत्कर्ष प्रदीपकुमार पुराणी से गत 19 जून को शादी की है। इस शादी से उसका परिवार खुश नहीं है और वह मुझे अपने पति से अलग करने के लिए हिंसक प्रयास कर रहा है। इतना ही नहीं मायके वाले पति समेत उसके माता-पिता को जान से मार देने की धमकी भी दे रहे हैं। युवती ने कहा कि उसने अपनी इच्छा से पहने हुए कपड़ों में पिता का घर 17 जून को छोड़ कर और उत्कर्ष के साथ शादी कर ली। मेरी आयु 20 साल है और मैं अच्छे-बुरे का फैसला करने में सक्षम हूं। उत्कर्ष के साथ शादी मैंने किसी प्रकार के दबाव में आकर नहीं की है। युवती ने अपने पिता फुरकान सैयद, पारिवारिक मामा एजाज सैयद, ताकीर सैयद, फिरोज पठान, सोहिल कांटा, सद्दाम सैयद, हम्दानअली सैयद, तौसिफ सैयद और जमशेद पठान इत्यादि से खतरा होने की दहशत व्यक्त करते हुए पुलिस सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की है। फरमीनबानु ने 30 सैकंड का एक वीडियो भी बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया है।

जिसमें उसने अपने पति के साथ खुश होने का उल्लेख किया है।

सार-समाचार

राहुल गांधी के आज सूरत आने की संभावना, मानहानि केस में कोर्ट में सुनवाई

सूरत, कांग्रेस नेता राहुल गांधी गुरुवार को सूरत आ सकते हैं। सूरत की कोर्ट में गुरुवार को राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज मानहानि केस में सुनवाई होनी है। दरअसल राहुल गांधी ने एक चुनावी रैली के दौरान कहा था कि "सभी चोर की सरनेम मोदी ही क्यों होती है?" सूरत से भाजपा के विधायक पूर्णेश मोदी ने राहुल गांधी के ऐसे बयान कड़ी आपत्ति व्यक्तकरते हुए सूरत की कोर्ट में उनके खिलाफ मानहानि का केस किया था। चीफ ज्युडिशियल मजिस्ट्रेट बीएच कापडिया ने पूर्णेश मोदी की शिकायत स्वीकार करते हुएराहुल गांधी के खिलाफ समन जारी किया था। इस मामले में कल सूरत कोर्ट में पेशी है। गौरतलब है कि वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने कर्नाटक के कोलार में एक सभा को संबोधित किया था। सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा था कि "निरव मोदी, ललित मोदी, नरेन्द्र मोदी सभी की सरनेमे मोदी क्यों है? प्रत्येक चोर की मोदी सरनेम क्यों होती है?" राहुल गांधी के इस बयान पर भाजपा विधायक पूर्णेश मोदी ने कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा था कि राहुल गांधी ने मोदी जाती का अपमान किया है। बाद में उन्होंने राहुल गांधी के खिलाफ कोर्ट में मानहानि का केस कर दिया।

रथ यात्रा से पूर्व जल यात्रा आज भगवान जगन्नाथजी का होगा जलाभिषेक

कोरोना संकट के चलते इस साल भी भगवान जगन्नाथजी की अहमदाबाद में रथयात्रा निकलेगी या नहीं यह फिलहाल तय नहीं है। हांलाकि रथयात्रा से पूर्व जल यात्रा को मंजूरी मिल गई है और गुरुवार की सुबह अहमदाबाद के जमालपुर स्थित भगवान जगन्नाथजी के मंदिर से जल यात्रा निकलेगी। हर साल 108 कलश के साथ जल यात्रा आयोजन किया जाता था। लेकिन कोरोना महामारी के चलते इस बार 1 गजराज, 5 ध्वजा और 5 कलश के साथ जल यात्रा का आयोजन किया गया है। साबरमती नदी से कलश में जल भरकर लाया जाएगा और उससे भगवान जलाभिषेक किया जाएगा। गुरुवार की सुबह 9.30 बजे मंदिर से जल यात्रा निकलेगी, जिसमें मंदिर के महंत, ट्रस्टी के अलावा उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल और गृह राज्यमंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा समेत 50 से भी कम लोग शामिल होंगे। जल यात्रा में न तो भजन मंडली होगी और न ही अन्य कोई श्रद्धालु शामिल हो सकेगा। मंदिर के महंद दिलीपदासजी महाराज ने बताया कि रथयात्रा से पहले ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा को जल यात्रा का आयोजन किया जाता है। गंगा नदी का जल लाकर उससे भगवान अभिषेक किया जाता है। कल पूर्णिमा को नदी से कलश में जल लाकर भगवान का जलाभिषेक किया जाएगा। दोपहर के बाद भगवान अपने ननिहाल चले जाएंगे और अषाढी दूज से दो दिन पहले निज मंदिर लौट आएंगे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

उद्धव ठाकरे ने टाटा कैंसर अस्पताल को म्हाडा इमारतों के 100 फ्लैट के आवंटन पर रोक लगाई

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने टाटा मेमोरियल अस्पताल में इलाज करा रहे कैंसर रोगियों को अस्थायी आवास मुहैया कराने के लिए म्हाडा के 100 फ्लैट को अस्पताल को हस्तांतरित किए जाने पर रोक लगा दी है। राज्य के आवासीय मंत्री जितेंद्र आव्हाड ने बुधवार को इस फैसले की पुष्टि की। शिवसेना विधायक अजय चौधरी ने संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने फ्लैट हस्तांतरित करने के फैसले पर स्थानीय निवासियों की आपत्ति के बारे में मुख्यमंत्री से शिकायत की थी, जिसके बाद हस्तांतरण आदेश पर रोक लगाने का फैसला किया गया। उल्लेखनीय है कि आव्हाड ने महाराष्ट्र आवास एवं क्षेत्र विकास प्राधिकरण (म्हाडा) की इमारतों के 100 फ्लैट अस्पताल को आवंटित करने का फैसला किया था। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) अध्यक्ष शरद पवार ने मई में अस्पताल प्राधिकारियों को फ्लैट की चाबियां सौंपी थीं।

अवमानना केस में राहुल गांधी 24 जून को गुजरात की कोर्ट में हो सकते हैं पेश

सूरत। कांग्रेस नेता राहुल गांधी बृहस्पतिवार को गुजरात में मजिस्ट्रेट की अदालत के समक्षपेश हो सकते हैं। वह ''मोदी उपनाम'' को लेकर की गई टिप्पणी में गुजरात के एक विधायक द्वारा दायर आपराधिक मानहानि मामले में अंतिम बयान दर्ज कराने के लिए पेश होंगे। सूरत के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ए एन दवे ने एक हफ्ते पहले राहुल गांधी को निर्देश दिया था कि सूरत से भाजपा विधायक पूर्णेश मोदी द्वारा दर्ज कराए गए अवमानना मामले में अंतिम बयान दर्ज कराने के लिए 24 जून को मौजूद रहें। यह जानकारी बुधवार को सूरत कांग्रेस के कानूनी प्रकोष्ठ के सदस्य और वकील फिरोज खान पठान ने दी।
पूर्णेश मोदी ने अप्रैल 2019 में राहुल गांधी के खिलाफ भादंसं की धारा 499 और 500 के तहत शिकायत दर्ज कराई थी। सूरत पश्चिम सीट से विधायक ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि 2019 में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने यह कहकर पूरे मोदी समुदाय को बदनाम किया था कि ''सभी चोरों के नाम में मोदी क्यों लगा होता है?'' कर्नाटक के कोलार में 13 अप्रैल 2019 की एक चुनावी रैली में राहुल गांधी ने कथित तौर पर कहा था, ''नीरव मोदी, ललित मोदी, नरेंद्र मोदी... इन सभी के नाम में मोदी लगा हुआ है। सभी चोरों के नाम में मोदी क्यों लगा होता है।''

प्रियंका गांधी का योगी सरकार पर निशाना, बोलीं- उत्तर प्रदेश में जंगलराज, महिलाओं की सुरक्षा भगवान भरोसे

नयी दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने उत्तर प्रदेश में महिला विरोधी अपराध के मुद्दे को लेकर बुधवार को राज्य की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इस 'जंगलराज' में महिलाओं की सुरक्षा भगवान भरोसे है। उन्होंने मथुरा और हमीरपुर की घटनाओं का उल्लेख करते हुए ट्वीट किया, ''उप्र में महिलाओं के खिलाफ ऐसे अपराध हो रहे हैं कि रूह कांप जाए, लेकिन सरकार सो रही है।'' प्रियंका ने कहा, ''मथुरा में एक साल से लड़की को परेशान कर रहे गुंडों ने घर में घुसकर उसे छत से फेंक दिया। हमीरपुर में छेड़खानी से परेशान युवती ने आत्महत्या कर ली।'' कांग्रेस की उत्तर प्रदेश प्रभारी ने आरोप लगाया कि जंगलराज में महिलाओं की सुरक्षा भगवान भरोसे है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन हो सकते हैं मंदिर सलाहकार समिति के अध्यक्ष

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के निकट भविष्य में गठित होने वाली राज्य स्तरीय मंदिर सलाहकार समिति की अध्यक्षता करने की संभावना है। हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती (एचआर एंड सीई) मंत्री पी.के. शेखर बाबू समिति के उपाध्यक्ष होंगे। एचआर एंड सीई विभाग के सूत्रों ने आईएएनएस को बताया कि समिति का गठन हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती (एचआर एंड सीई) अधिनियम की धारा 7 के तहत किया जाएगा। समिति में शामिल किए जाने वाले गैर-सरकारी सदस्यों की संख्या की अभी पुष्टि नहीं हुई है लेकिन अनुसूचित जाति का एक व्यक्ति सदस्य होगा। एचआर एंड सीई के आयुक्त पदेन सदस्य सचिव और प्रभारी सचिव होंगे। राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित ने सोमवार को तमिलनाडु विधानसभा में अपने संबोधन में सभी प्रमुख हिंदू मंदिरों के लिए एक सलाहकार समिति के गठन का उल्लेख किया था।

यूपी में योगी होंगे सीएम फेस, बीजेपी के राजस्थान सीएम फेस पर पार्टी का फैसला जल्द -अरुण सिंह

जयपुर। भाजपा महासचिव और राजस्थान प्रभारी अरुण सिंह ने बुधवार को घोषणा की कि योगी आदित्यनाथ अगले साल की शुरूआत में उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनावों का चेहरा होंगे और राजस्थान में मुख्यमंत्री का चेहरा जल्द भाजपा संसदीय बोर्ड द्वारा तय किया जाएगा। जयपुर दौरे के दौरान मीडिया से बात करते हुए सिंह ने कहा कि योगी आदित्यनाथ अच्छा काम कर रहे हैं, तो उन्हें सीएम पद से क्यों हटाया जाएगा।
साथ ही, राज्य संगठन और पूर्व सीएम वसुंधरा राजे समूह के बीच चल रही खींचतान के बीच राजस्थान के सीएम चेहरे पर बोलते हुए, उन्होंने कहा, संसदीय बोर्ड 2023 में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए सीएम का चेहरा तय करेगा।

भारत ने यूएनएससी में कहा- अफगानिस्तान में शांति के लिए आतंकियों के पनाहगाह को नष्ट करना चाहिए

संयुक्त राष्ट्र/नई दिल्ली। (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि अफगानिस्तान में स्थायी शांति के लिए सच्चे अर्थों में देश के भीतर और इसके आसपास 'दोहरी शांति' की आवश्यकता है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सीमा पार आतंकवाद समेत आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ कतई बर्दाश्त नहीं किये जाने की नीति अपनाने की जरूरत पर जोर दिया है। जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में चर्चा के दौरान कहा कि हिंसा में तत्काल कमी और असैन्य नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये भारत अफगानिस्तान में स्थायी और व्यापक संघर्ष विराम चाहता है। उन्होंने कहा, ''अफगानिस्तान में स्थायी शांति के लिए सच्चे अर्थों में 'दोहरी शांति' यानी अफगानिस्तान के भीतर और इसके आसपास अमन की आवश्यकता है। इसके लिए उस देश के भीतर और आसपास सभी के हितों में सामंजस्य स्थापित करने की आवश्यकता है।'' उन्होंने पाकिस्तान के एक स्पष्ट संदर्भ में कहा, ''अफगानिस्तान में स्थायी शांति के लिये आतंकियों के सुरक्षित पनाहगाह को तत्काल नष्ट करना चाहिए और उनकी आपूर्ति श्रृंखला बाधित की जानी चाहिए। सीमा पार आतंकवाद समेत आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ कतई बर्दाश्त नहीं किये जाने की नीति की आवश्यकता है।'' उन्होंने कहा, ''यह सुनिश्चित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि अफगानिस्तान के क्षेत्र का उपयोग आतंकवादी समूहों द्वारा किसी अन्य देश को धमकाने या हमला करने के लिए नहीं किया जाये। आतंकवादी संगठनों को साजो-सामान और आर्थिक मदद पहुंचाने वालों को निश्चित रूप से जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।'' अफगानिस्तान में स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस की पिछले सप्ताह की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए जयशंकर ने कहा कि रिपोर्ट स्पष्ट है कि अंतर-अफगान वार्ता के परिणामस्वरूप अफगानिस्तान में हिंसा में कमी नहीं आई है, बल्कि इसके विपरीत हिंसा केवल बढ़ी है, खासकर एक मई के बाद यह हिंसा बढ़ी है और देश में धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यकों, छात्राओं, अफगान सुरक्षा बलों, उलेमाओं, पत्रकारों, नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं और युवाओं को निशाना बनाकर हमले हुए हैं। जयशंकर ने कहा, ''इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय और विशेष रूप से, यह परिषद हिंसा में तत्काल कमी सुनिश्चित करने के लिए एक स्थायी और व्यापक संघर्ष विराम और नागरिकों के जीवन की सुरक्षा के लिए दबाव डाले।'' उन्होंने कहा कि भारत अफगान सरकार और तालिबान के बीच वार्ता में तेजी लाने के लिए किए जा रहे सभी प्रयासों का समर्थन करता रहा है। उन्होंने कहा कि भारत अफगान सरकार और तालिबान के बीच बातचीत में तेजी लाने के लिए किए जा रहे सभी प्रयासों का समर्थन करता रहा है, जिसमें अंतर-अफगान वार्ता भी शामिल है। उन्होंने कहा कि यदि शांति प्रक्रिया को सफल होना है, तो यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि वार्ता करने वाले पक्ष अच्छी भावना के साथ इसमें शामिल रहें और इसका सैन्य समाधान खोजने का रास्ता बनाये और राजनीतिक समाधान तक पहुंचने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हों। उन्होंने कहा, 'भारत वास्तविक राजनीतिक समाधान और अफगानिस्तान में एक व्यापक एवं स्थायी संघर्ष विराम की तरफ बढ़ाए गए किसी भी कदम का स्वागत करता है। हम संयुक्त राष्ट्र के लिए अग्रणी भूमिका का समर्थन करते हैं, क्योंकि इससे स्थायी और टिकाऊ समाधान निकालने में मदद मिलेगी।' उन्होंने कहा, 'मैं एक समावेशी, अफगान-नेतृत्व वाली, अफगान-स्वामित्व वाली और अफगान-नियंत्रित शांति प्रक्रिया के लिए अपना समर्थन दोहराना चाहता हूं।' जयशंकर ने कहाकि भारत एक वैध लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से सामान्य स्थिति की बहाली सुनिश्चित करने के लिए अफगानिस्तान के साथ खड़ा है, जो अफगानिस्तान और क्षेत्र की दीर्घकालिक स्थिरता के लिए आवश्यक है। जयशंकर ने कहा, 'भारत, अफगानिस्तान की सरकार और इसके लोगों के लिए एक शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक और समृद्ध भविष्य, आतंक मुक्त माहौल के वास्ते उनकी आकांक्षाओं को साकार करने के लिए हर संभव सहायता प्रदान करना जारी रखेगा, ताकि अफगान समाज के सभी वर्गों के अधिकारों और हितों की रक्षा और बढ़ावा दिया जा सके।' उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को अफगानिस्तान पर लगाए गए कृत्रिम पारगमन बाधाओं को हटाने की दिशा में काम करना चाहिए और बिना किसी बाधा के द्विपक्षीय और बहुपक्षीय पारगमन समझौतों के तहत अफगानिस्तान के लिए गारंटीकृत पूर्ण पारगमन अधिकार सुनिश्चित करना चाहिए।

यूपी में तोड़ी गईं सपा नेताओं की अवैध संपत्तियां

एटा (उर प्रदेश)। (एजेंसी)।

अवैध संपत्ति के खिलाफ अभियान जारी रखते हुए एटा जिला प्रशासन और पुलिस ने अब सपा के पूर्व विधायक रामेश्वर सिंह यादव और जिला परिषद के पूर्व अध्यक्ष जोगेंद्र सिंह यादव की संपत्तियों को नष्ट कर दिया है। सपा नेताओं ने कथित तौर पर एक मार्केट कॉम्प्लेक्स और एक फार्महाउस बनाने के लिए चिलासानी ग्राम सभा की भूमि पर अतिक्रमण किया था। पूर्व विधायक पिछले 20 साल से अपने परिवार के साथ फार्महाउस में रह रहे थे। सपा ने हाल ही में जोगेंद्र यादव की पत्नी रेखा को जिला परिषद अध्यक्ष पद के लिए अपना उम्मीदवार घोषित किया था। अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट विवेक मिश्रा ने कहा, कई शिकायतें प्राप्त करने के बाद, जांच की गई और यह पाया गया कि दोनों ने एक बाजार परिसर और एक फार्महाउस बनाने के लिए सरकारी जमीन पर कब्जा कर लिया था। अवैध संपत्तियों को ध्वस्त कर दिया गया है और प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी। सपा के अधिवक्ता विंग के जिलाध्यक्ष आकाश यादव ने विध्वंस को गैरकानूनी और राजनीति से प्रेरित करार देते हुए कहा, मामला विचाराधीन है और अदालत ने मालिकों की याचिका पर रोक लगाने का आदेश दिया था।

बीएसएफ ने एक पाकिस्तानी स्मगलर को मार गिराया, 135 करोड़ की हेरोइन बरामद

जम्मू। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास बुधवार को मादक पदार्थों की तस्करी करने की कोशिश नाकाम करने का दावा करते हुए कहा कि उसने इस अभियान में एक पाकिस्तानी मादक पदार्थ तस्कर को मार गिराया है। अधिकारियों ने बताया कि इलाके में तलाशी अभियान के दौरान बीएसएफ ने 27 पैकेट हेरोइन बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 135 करोड़ रुपये कीमत है। बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने बताया कि घटना सीमा चौकी (बीओपी) हीरानगर सेक्टर के पंसार क्षेत्र की है। बीएसएफ जम्मू के कर्मियों ने बुधवार सुबह कठुआ में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास पाकिस्तानी तस्कर को मादक पदार्थों की तस्करी करने की कोशिश नाकाम कर दी। सैनिकों ने पाकिस्तानी सीमा की ओर कुछ संदिग्ध गतिविधियां होते देखी। पाकिस्तानी तस्कर भारतीय सीमा क्षेत्र में दाखिल होने की कोशिश कर रहा था। उन्हें स्थिति को नियंत्रित करने के लिए गोली चलानी पड़ी। प्रवक्ता ने कहा, '' इलाके की तलाशी लेने पर, बाड़ के पास से पाकिस्तानी तस्कर का शव और हेरोइन के 27 पैकेट बरामद हुए। इसकी कीमत करीब 135 करोड़ रुपये है। इस मामले में 'नार्को-आतंकवाद' के पहलू से इनकार नहीं किया जा सकता।'' प्रवक्ता ने बताया कि 23 जनवरी को बीएसएफ को 150 मीटर की एक भूमिगत सुरंग का पता चला था, जिसे बीओपी पंसार क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए पाकिस्तान से आतंकवादियों की घुसपैठ में मदद देने के लिए बनाया गया था।

अंदरुनी कलह के बीच पंजाब कांग्रेस के नेताओं की राहुल गांधी से मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष सुनील जाखड़, वित्त मंत्री मनप्रीत सिंह बादल और राज्यसभा सांसद प्रताप सिंह बाजवा ने बुधवार को राहुल गांधी से मुलाकात कर उन्हें राज्य में बढ़ रही अंदरूनी कलह के बाद की स्थिति से अवगत कराया।

बैठक के बाद सुनील जाखड़ ने कहा, उम्मीद है कि मौजूदा स्थिति का समाधान हो जाएगा और कुछ गलत लोग विधायकों के परिजनों को नौकरी देने जैसे फैसले पर मुख्यमंत्री को सलाह दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि नवजोत सिंह सिद्धू के मुद्दे पर पार्टी नेतृत्व चर्चा कर रहा है। पंजाब के सीएम के एक और धुरंधर प्रताप सिंह बाजवा ने भी राहुल गांधी से मुलाकात की और कहा कि उन्होंने राज्य की जमीनी हकीकत और वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की। उन्होंने जोर देकर कहा, पार्टी आलाकमान अगले विधानसभा चुनाव के लिए मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार पर फैसला करेगा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने राज्य इकाई में तनाव को कम करने के लिए कदम बढ़ाया है क्योंकि उन्होंने परगट सिंह सहित कई नेताओं से मुलाकात की थी। राहुल गांधी से मिले कुछ विधायकों ने कहा कि उन्होंने राज्य को लेकर मुद्दे उठाए हैं। मुख्यमंत्री के आलोचक माने जाने वाले परगट सिंह ने कहा, अगर सीएम मेरे द्वारा उठाए गए मुद्दों को हल करने के लिए तैयार हैं, तो मामला हल हो गया है। इस बीच अमरिंदर सिंह ने मंगलवार को पार्टी पैनल के साथ बैठक के दौरान अपनी नाराजगी व्यक्त की और सूत्रों ने कहा कि कुछ व्यक्तियों द्वारा अनुचित दबाव बनाया जा रहा है। हालांकि, पार्टी के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, जो तीन सदस्यीय पैनल के प्रमुख हैं, जिन्हें राज्य पार्टी इकाई में गुटबाजी को हल करने के अलावा चुनाव की तैयारी के लिए बड़ा जनादेश मिला है, उन्होंने कहा, सभी ने कहा है कि वे एक साथ चुनाव लड़ेंगे और पार्टी सोनिया गांधी और राहुल गांधी के नेतृत्व में एकजुट है। सूत्रों का कहना है कि पैनल ने राज्य में राजनीतिक स्थिति और नवजोत सिंह सिद्धू से जुड़े

मुद्दों और इस मुद्दे को हल करने के संभावित तरीके पर भी चर्चा की। हालांकि सिद्धू मुख्यमंत्री पर हमले से बाज नहीं आ रहे हैं। उन्होंने मुद्दों के जल्द समाधान पर जोर दिया है। प्रदेश प्रभारी हरीश रावत ने कहा है कि मामला सोनिया गांधी के पास है और उन्होंने सिद्धू के बयानों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

पायलट बनाम गहलोत : फोन टैपिंग मामले में कांग्रेस नेता तलब

जयपुर (एजेंसी)।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत द्वारा राजस्थान फोन टैपिंग मामले में दर्ज प्राथमिकी की जांच तेज करते हुए दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने कांग्रेस के मुख्य सचेतक (चीफ व्हिप) महेश जोशी को नोटिस जारी कर 24 जून को प्रशांत विहार कार्यालय में पूछताछ के लिए तलब किया है। क्राइम ब्रांच का कदम सचिन पायलट और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बीच तेज हुई तकरार के बाद सामने आया है। यह नोटिस दिल्ली क्राइम ब्रांच के इंस्पेक्टर सतीश मलिक ने जारी किया है। हालांकि, जोशी ने आईएएनएस को बताया कि उन्होंने अभी तक नोटिस नहीं पढ़ा है और वे इसे पढ़कर ही कोई जवाब दे पाएंगे। सचिन पायलट ने पिछले साल जुलाई में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खिलाफ बगावत की थी और उनका समर्थन करने वाले विधायकों के साथ हरियाणा के एक होटल में डेरा डाला था।

इस दौरान राजस्थान सरकार पर फोन टैपिंग का आरोप लगा था। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की शिकायत के बाद 25 मार्च को दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने प्राथमिकी दर्ज की थी। प्राथमिकी में शेखावत ने आरोप लगाया था कि राज्य सरकार अवैध रूप से जनप्रतिनिधियों के फोन टैप कर रही है। शेखावत ने प्राथमिकी में अज्ञात पुलिस अधिकारियों और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओएसडी लोकेश शर्मा पर आरोप लगाया है। दिल्ली क्राइम ब्रांच ने इस मामले में अपना दायरा बढ़ाते हुए अब अपनी जांच में महेश जोशी का नाम शामिल किया है। महेश जोशी ने राजनीतिक संकट बढ़ने के बाद लीक हुए फोन कॉल के आधार पर एसओजी और एसीबी में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। महेश जोशी ने इस मामले को लेकर एसीबी और एसओजी में भी अपना बयान दर्ज कराया था। लोकेश शर्मा ने हाल ही में अपराध शाखा में दर्ज प्राथमिकी के संबंध में दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया था। कोर्ट ने सुनवाई की अगली तारीख 6 अगस्त निर्धारित की है और क्राइम ब्रांच को तब तक कोई कार्रवाई नहीं करने को कहा गया है। साथ ही दिल्ली और राजस्थान पुलिस से मामले की स्थिति रिपोर्ट मांगी गई है। दिल्ली क्राइम ब्रांच अब कुछ कांग्रेसी नेताओं और अधिकारियों को पूछताछ के लिए बुला सकती है। हाल ही में पायलट के समर्थक विधायक वेद सोलंकी ने भी बयान दिया था कि सरकार विधायकों के फोन टैप करवा रही है। उन्होंने कहा कि इन विधायकों ने सीएम अशोक गहलोत को अवैध टैपिंग की जानकारी भी दी है।

राशन की डोरस्टेप डिलीवरी रोकने के लिए केंद्र कर रहा है बहाने : केजरीवाल

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

राशन की होम डिलीवरी योजना रोकने के लिए केंद्र ने दिल्ली सरकार को पत्र भेजे हैं। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने बुधवार को यह जानकारी दी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पीडीएस राशन के वितरण का अधिकार राज्य सरकारों के पास है, इसके बावजूद केंद्र सरकार लगातार इसमें हस्तक्षेप कर रही है। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि साफ नियत न होने के कारण केंद्र सरकार जनता के घरों तक राशन की होम डिलीवरी नहीं करने देना चाहती है। केंद्र का काम अब केवल राज्यों के साथ झगड़ा करने का रह गया है और वे देश चलाना भूल गए हैं। मनीष सिसोदिया ने कहा कि मंगलवार को दिल्ली सरकार को केंद्र सरकार की तरफ से पत्र मिला। इस पत्र में यह लिखा है कि दिल्ली सरकार की घर-घर राशन पहुंचाने की योजना के प्रस्ताव को अस्वीकार किया जाता है, जबकि दिल्ली सरकार ने केंद्र को कोई प्रस्ताव ही नहीं भेजा है। दिल्ली सरकार के मुताबिक पत्र में केंद्र सरकार ने आपत्ति जताते हुए कहा है कि, जहां राशन पहुंचाना है, वो पता ठीक है, कैसे पता चलेगा। जिन लोगों को राशन देना है, वो पतली गलियों में रहते हैं, तो पतली गलियों में कैसे राशन पहुंचेगा। कई लोग मल्टी स्टोरी बिल्डिंग में रहते हैं, वहां कैसे पहुंचेगा।

अगर एड्रेस चेंज हो गया, तब कैसे पहुंचेगा राशन। राशन वाली गाड़ी खराब हो गई, तो कैसे पहुंचेगा। राशन वाली गाड़ी यदि ट्रैफिक में फंस गई, तो कैसे पहुंचेगा राशन। राशन की कीमत क्या होगी। सीएम अरविंद केजरीवाल ने इसपर कहा, केंद्र की चिट्ठी आई है। बेहद पीड़ा हुई। इस किस्म के कारण देकर घर- घर राशन योजना खारिज कर दी कि राशन गाड़ी ट्रैफिक में फंस गई या खराब हो गई, तो तीसरी मंज़िल तक राशन कैसे जाएगा। 21वीं सदी का भारत चांद पर पहुंच गया, आप तीसरी मंज़िल पर अटक गए। संकरी गली में राशन कैसे जाएगा। हर वक्त हर किसी से झगड़ा सही नहीं, ट्विटर, लक्षद्वीप, ममता दीदी, महाराष्ट्र, झारखंड, दिल्ली सरकार, किसानों, व्यापारियों, पश्चिम बंगाल के चीफ सेक्रेटेरी तक से झगड़ा। इतना झगड़ा, हर वक्त राजनीति से देश आगे कैसे बढ़ेगा। घर-घर राशन योजना राष्ट्रहित में है। इस पर झगड़ा मत कीजिए।

जम्मू-कश्मीर को लेकर होने वाली सर्वदलीय बैठक में जमी बर्फ पिघलेगी

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर पर गुरुवार को सर्वदलीय बैठक बुलाकर सबको आश्चर्य में डाल दिया। विपक्षी दल इसे अच्छा कार्य बता रहे हैं। इसके नतीजे क्या होंगे, ये तो नहीं कहा जा सकता, पर ये सही है कि इससे सरकार और विपक्ष के बीच जमी हुई बर्फ पिघलेगी। आमने-सामने बैठेंगे। बातचीत का रास्ता खुलेगा। केंद्र सरकार ने जब जम्मू-कश्मीर को दो प्रदेशों में विभाजित किया तब तक ये किसी ने सोचा भी नहीं था कि भाजपा ऐसा करेगी। भाजपा ने हमेशा ही कहा था कि अगर हम सत्ता में आए तो जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को समाप्त करेंगे जबकि विपक्षी दल को लगता था कि ऐसा किया जाना संभव ही नहीं है। इसलिए वह बार-बार केंद्र की मोदी सरकार को चैलेंज करती थी और कहती थी कि दम है तो अनुच्छेद 370 को हटाकर दिखाओ। नरेंद्र मोदी सरकार ने एक झटके में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35ए को समाप्त ही नहीं किया बल्कि पूर्ण राज्य का दर्जा भी समाप्त कर दिया। इसके अलावा प्रदेश को दो केंद्रशासित प्रदेशों (लद्दाख और जम्मू-कश्मीर) में बांट दिया। जब ये निर्णय हुआ तो बहुत आशंकाएं थी। डर था कि आंतकी घटनाएं बढ़ जाएंगी। पाकिस्तान खुराफात बढ़ाएगा। बहुत डर थे किंतु सरकार की कारगर रणनीति की बदौलत पाकिस्तान कुछ भी नहीं कर पाया। सरकार ने संसद में जम्मू-कश्मीर के विभाजन और केंद्र शासित राज्य बनाने की घोषणा के दौरान ये भी वायदा किया था कि हालात ठीक होने और परिस्थिति अनुकूल होने पर पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल कर दिया जाएगा। पिछले कुछ समय से ऐसा ही प्रतीत हो रहा है। नजरबंद विरोधी नेताओं को रिहा किया गया। सख्ती में धीरे-धीरे ढील दी जा रही है और पिछले साल दिसंबर में शांतिपूर्वक हुए जिला विकास परिषद के चुनाव ने सरकार की सफलता भी बता दी। प्रधानमंत्री मोदी की सर्वदलीय बैठक का एजेंडा अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। किंतु ऐसा प्रतीत होता है कि वार्ता जम्मू-कश्मीर में पूर्ण राज्य का दर्जा बहाली पर ही केंद्रित रहेगी। बीते दिनों गुपकार दलों के गठबंधन की बैठक में इस बैठक में शामिल होना है या नहीं इसका फैसला किया गया। हालांकि ये दल पुरानी स्थिति बहाल करने की बात लगातार उठा रहे हैं। किंतु इन्हें यह भी पता है कि गंगा बहकर बहुत आगे निकल गई है, अब उसकी वापसी संभव नहीं है। कांग्रेस ने भी बैठक में शामिल होने पर निर्णय कर लिया है। अब देखना यह है कि गुरुवार को होने वाली मीटिंग में क्या होगा। कोई निर्णय हो पाएगा, ये तो नहीं लगता। लेकिन नेता आमने-सामने बैठेंगे तो बात तो होगी ही। गिले-शिकवे निकलेंगे। रिश्तों पर जमी बर्फ पिघलेगी। समझौते की टेबिल पर बैठते समय सोच कुछ होती है परंतु जब वार्ता होती है तो दोनों पक्ष झुकते हैं। हम

भारतीय आशावादी हैं। आशा है कि यहां भी जल्दी ही सब ठीक होगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफ़सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)